DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

फडणवीस सरकार ने जीता 'विश्वास'

▪ सोमवार को फडणवीस सरकार ने सदन में विश्वास मत हासिल किया

विधान भवन को 'बाजार' नहीं बनने देना चाहिए- फडणवीस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

विधानसभा चुनाव में महायुति को मिली बंपर जीत के बाद विपक्ष ने सदन से सड़क तक ईवीएम के खिलाफ मुहिम छेड़ रखी है। इन सबके बीच सोमवार को फडणवीस सरकार ने सदन में विश्वास मत हासिल किया। साथ ही पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को एक बार फिर विधान अध्यक्ष चुन लिया गया है। उनका चुनाव निर्विरोध हुआ है। अब विपक्ष विधानसभा में विपक्ष का नेता पद और उपाध्यक्ष पद मांग रहा है जिस पर सरकार ने अब तक अपनी भूमिका साफ नहीं की है। हालांकि, विपक्ष की ओर से कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि हम दोनों ही पदों पर दावा करेंगे और मुझे उम्मीद है कि सरकार जरूर देगी।

महायुति का बहुमत साबित

सोमवार को शिवसेना विधायक उदय सामंत सहित अन्य सदस्यों ने विधानसभा में विश्वासमत प्रस्ताव रखा जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इसकी पुष्टि विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने की। उन्होंने कहा कि सरकार ने सदन में अपना विश्वास मत हासिल कर लिया है। महाराष्ट्र की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल आधिकारिक तौर पर 7 दिसंबर से शुरू हो गया है। 288 विधायकों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में बीजेपी के नेतृत्व वाली महायुति के 230 सदस्य हैं, इसलिए बहुमत साबित करना महज औपचारिकता थी।

नार्वेकर दूसरी बार बने स्पीकर

विधानमंडल के विशेष अधिवेशन में विधानसभा सदस्य एडवोकेट राहुल नार्वेकर को 15वीं विधानसभा का निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिया गया। रविवार को उन्होंने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। विरोधी खेमे के किसी सदस्य ने नामांकन नहीं भरा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने एडवोकेट राहुल नार्वेकर का नाम विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए प्रस्तावित किया जिसका अनिल पाटील, आशीष शेलार, चंद्रकांत पाटिल ने समर्थन किया। इसके बाद प्रोटेम स्पीकर कालिदास कोलंबकर ने घोषणा की कि विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए राहुल नार्वेकर के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। राहुल नार्वेकर के निर्वाचित होने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, विधानसभा सदस्य चंद्रशेखर बावनकुले, नाना पटोले, जयंत पाटिल, नितिन राऊत उन्हें सम्मानपूर्वक अध्यक्ष के आसन तक ले गए।

सदन के नेता बने एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र विधान परिषद में सदन के नेता उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे होंगे। सोमवार को विधान परिषद में उपसभापति नीलम गोर्हे ने यह घोषणा की। उपसभापति ने कहा कि विधान परिषद में सदन का नेता पद रिक्त था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधान परिषद में सदन का नेता पद शिंदे की नियुक्ति करने के संबंध में पत्र भेजा था। इसलिए विधान परिषद के नेता के रूप में शिंदे को नियुक्त किया जा रहा है।

सीएम ने शीर्ष नौकरशाहों को दिए दिशानिर्देश

फडणवीस ने राज्य की प्रमुख योजनाओं के लिए एक समर्पित वॉर रूम स्थापित करने की योजना की घोषणा की। बता दें कि यह अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारियों के साथ सीएम की पहली संयुक्त बैठक थी। यही सभी अधिकारी राज्य की नीतियों का नेतृत्व करते हैं। सीएम फडणवीस ने बाबुओं को पारदर्शी, ईमानदार और तेज गति से काम करने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने कहा कि नौकरशाहों को राज्य के विकास को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र के सहयोग का उपयोग करना चाहिए।

विधायकों पर भड़के देवेंद्र फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को उन विधायकों को आड़े हाथों लिया, जो विधानसभा में अपने समर्थकों की भीड़ के साथ आते हैं। उन्होंने कहा कि हम विधानसभा को बाजार नहीं बना सकते। उन्होंने विधान भवन में भीड़ प्रबंधन का आह्वान करते हुए कहा कि परिसर को 'बाजार' नहीं बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि विधान भवन में भीड़ रहेगी तो सदन ठीक से कैसे चल पाएगा। उन्होंने कहा, 'मैं जो कहने जा रहा हूं, उससे कुछ विधायकों को ठेस पहुंच सकती है, लेकिन हमें विधान भवन परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है।' फडणवीस ने कहा कि मैं इस शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहता। लेकिन मुझे स्थिति का वर्णन करने के लिए इससे बेहतर कोई विकल्प नहीं मिल रहा है। यह परिसर 'बाजार' नहीं बनना चाहिए।' मुख्यमंत्री ने आश्चर्य जताते हुए कहा, 'अगर विधान भवन में इतनी भीड़ रहेगी, तो यह सदन ठीक से कैसे चलेगा?'

देश को दिशा देने वाला सदन है महाराष्ट्र विधानमंडल: शिंदे

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि विधानसभा सभागृह में प्रत्येक घटक को न्याय देते हुए सामाजिक संतुलन की भूमिका रखकर कामकाज चलाने का हुनर एडवोकेट राहुल नार्वेकर के पास है। उन्हें लगातार दूसरी बार अध्यक्ष बनने का सम्मान मिला है। उनका नाम विधानमंडल में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र विधानमंडल देश को दिशा देने वाला सदन है। सभी को इस सदन का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि चूंकि सदन को एक संवेदनशील अध्यक्ष मिला है, इसलिए उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में लोकहितकारी और प्रभावी फैसले होंगे।

रियल एस्टेट कारोबारी की हत्या

▸▸ झाड़ियों में मिला शव, चंद घंटों पहले हुए थे अगवा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/पुणे

पुणे के यवत इलाके में अपहृत रियल एस्टेट बिजनेसमैन सतीश वाघ का शव झाड़ियों में बरामद हुआ है। सोमवार सुबह चार अज्ञात व्यक्तियों ने शेवाल वाडी में सतीश वाघ का अपहरण कर लिया था। पुलिस का मानना है कि मामला पुरानी दुश्मनी से जुड़ा हो सकता है। हाई-प्रोफाइल केस को देखते हुए क्राइम ब्रांच ने गहन जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, सतीश वाघ नामक रियल एस्टेट बिजनेसमैन का सुबह-सुबह पुणे-सोलापुर रोड पर शेवाल वाडी इलाके में टहलने के दौरान अपहरण कर लिया गया था। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, शेवरले कार में सवार चार व्यक्ति वाघ के पास पहुंचे, उन्हें हथियार दिखाकर धमकाया और उन्हें जबरन कार में बैठाकर घटनास्थल से भाग गए। रियल एस्टेट क्षेत्र में मशहूर सतीश वाघ कथित तौर पर पुणे के एमएलसी योगेश तिलेकर के रिश्तेदार हैं। पुलिस का मानना है कि अपहरण का संबंध पिछली दुश्मनी से हो सकता है। हालांकि, उन्होंने अभी तक विशेष कारणों की पुष्टि नहीं की है। लेकिन मामले की हाई-प्रोफाइल होने की वजह से अधिकारियों ने जांच को गोपनीय रखा है।

मामले में डीसीपी ने कही ये बात

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच तेज कर दी है। डीसीपी ए. राजा ने कहा, हम मामले की हर संभव दिशा से जांच कर रहे हैं। प्रारंभिक जांच में ऐसा लगता है कि घटना का मकसद पहले के विवादों से जुड़े हैं, लेकिन हम सभी संभावित कोणों की जांच कर रहे हैं।

नागपुर में छह दिन चलेगा शीत सत्र

▸▸ उपराजधानी में 16 दिसंबर से शुरू होगा अधिवेशन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानमंडल का शीतकालीन अधिवेशन नागपुर में 16 दिसंबर से शुरू होगा। जबकि 21 दिसंबर को सत्रावसान हो जाएगा। शीत सत्र में कुल छह दिनों तक कामकाज होगा। सोमवार को विधानभवन में विधानसभा और विधान परिषद के कामकाज सलाहकार समिति की अलग-अलग बैठक हुई। इसमें विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोऱ्हे, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, अजित पवार समेत विधानमंडल कामकाज सलाहकार समिति के सदस्य मौजूद थे।

नासिक में 5000 हजार किसानों ने करवाया बोगस फसल बीमा

कृषि विभाग की जांच में बड़ा खुलासा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/नासिक

नासिक जिले में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। यहां 5172 किसान फर्जी फसल बीमा दावों में शामिल हैं। कृषि विभाग द्वारा की गई जांच में इसका खुलासा हुआ। राज्य सरकार की एक रुपया फसल बीमा योजना के तहत जिन किसानों ने अपने खेतों में प्याज की खेती भी नहीं की, उन्होंने प्याज की फसल के लिए गलत बीमा दावा किया है। कृषि विभाग के अनुसार, इस साल खरीफ सीजन में 3.96 करोड़ रुपये के फर्जी फसल बीमा दावे सामने आए हैं। कृषि विभाग में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है, जहां जांच में पता चला है कि गैर-कृषि (एनए) भूखंडों पर भी प्याज की खेती दिखाई गई है। इस घोटाले में नासिक जिले के कई तहसीलों के किसान शामिल हैं, जिनमें येवला, निफाड़, देवला, बागलान, कलवण, मालेगांव और नांदगांव शामिल हैं। इस मामले को लेकर जिला कलेक्टर ने सीएससी केंद्रों के संचालकों को फटकार लगाई है। किसानों के स्व-घोषणा पत्रों की जांच करने और फसल बीमा दावों की वैधता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि यह कोई अकेली घटना नहीं है, क्योंकि महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह के घोटाले की खबरें आई हैं। राज्य सरकार इन मुद्दों को सुलझाने और किसानों को उनके हक का लाभ दिलाने के लिए काम कर रही है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का क्या है उद्देश्य ?

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल खराब होने या नुकसान होने की स्थिति में किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। लेकिन इस मामले में ऐसा लगता है कि कुछ किसानों ने निजी लाभ के लिए इस योजना का दुरुपयोग किया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एक फसल बीमा योजना है जो प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल खराब होने या नुकसान होने की स्थिति में किसानों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है। किसानों को फसल के नुकसान से उबरने और उनकी वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद करने के लिए इस योजना की शुरुआत की गई थी। इस योजना के तहत किसान केवल 1 रूपये का मामूली प्रीमियम देते हैं, जबकि सरकार शेष प्रीमियम राशि का भुगतान सब्सिडी के रूप में करती है। इस योजना में खाद्यान्न, तिलहन और बागवानी फसलों सहित विभिन्न फसलें शामिल हैं लेकिन इस योजना के लाभों के बावजूद, धोखाधड़ी के दावों और फर्जी बीमा पॉलिसियों के मामले सामने आए हैं।

'कृषि विभाग की जांच के बाद हुआ खुलासा'

राज्य सरकार की एक रुपया फसल बीमा योजना का नासिक जिले के करीब 5000 किसानों ने गलत तरीके से फायदा उठाया है। इन किसानों ने इस खरीफ सीजन में 3.96 करोड़ रुपये का फसल बीमा का दावा किया है। कृषि विभाग द्वारा की गई जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

'दोषियों पर कार्रवाई करें'

इन किसानों में से 3670 प्याज उत्पादक हैं, जबकि 505 अनार, अंगूर और सीताफल उत्पादक हैं। नासिक विभाग के कृषि उपनिदेशक जगदीश पाटिल ने बताया कि जिला कलेक्टर जलज शर्मा ने दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

जिसकी खेती नहीं की उसका भी बीमा कराया

नासिक जिले में लगभग 5000 किसानों ने फर्जी दावे प्रस्तुत किए थे, कुछ किसानों ने तो ऐसी फसलों के लिए भी बीमा का दावा किया था जो उनके खेतों में उगाई ही नहीं गई थीं। इन मुद्दों को हल करने के लिए, सरकार ने फर्जी दावे प्रस्तुत करने वाले किसानों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं। सरकार योजना के कार्यान्वयन को मजबूत करने और धोखाधड़ी गतिविधियों को रोकने के लिए भी काम कर रही है।

बुजुर्ग से 58 लाख रुपए की धोखाधड़ी

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

एक 60 वर्षीय व्यक्ति को शेयरों में निवेश करने का लालच देकर साइबर जालसाजों ने 58 लाख रुपए की धोखाधड़ी की। पुलिस ने सोमवार को घटना की जानकारी दी। शिकायत के आधार पर साइबर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। एक अधिकारी ने कहा कि पीड़ित ने बताया आरोपी ने अक्तूबर में उससे संपर्क किया था और निवेश में आकर्षक रिटर्न की पेशकश की। आरोपी ने उस व्यक्ति को ऑनलाइन लिंक भेजा और पैसे जमा करने के लिए इस लिंक का इस्तेमाल करने को कहा। हालांकि, बाद में जब उन्होंने अपने पैसे और रिटर्न के बारे में पूछा तो आरोपी ने उचित जवाब नहीं दिया। अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता ने 16 अक्तूबर और 28 नवंबर के बीच 58 लाख रुपए खो दिए।

संजय राऊत के विरोध में भाजपा की महिला मंडल की ओर से जूता मारो आंदोलन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

'मुख्यमंत्री - माझी लाडकी बहीण योजना' के लाभार्थियों के विरोध में अपमान जनक टिप्पणी सांसद संजय राऊत ने किया था। उसके विरोध में भाजपा महिला मोर्चा की ओर से तीव्र धिक्कार कर विरोध किया गया। राऊत से अपने अपमान जनक शब्दों को लेकर माफी मांगने के लिए मांग किया। सांसद राऊत ने हाल ही में विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि महिलाओं को इस योजना के माध्यम से 1500 रुपए देकर वोट को खरीदने का आरोप पत्रकार परिषद में लगाया था। भाजपा शहर जिला अध्यक्ष संजय वाघुले के मार्गदर्शन में महिला मोर्चा अध्यक्षा स्नेहा पाटील ने सांसद संजय राऊत के फोटो पर चप्पल से मारने का आंदोलन आयोजित किया, जिसका अच्छा प्रतिसाद मिला। यह आंदोलन भाजपा ठाणे विभागीय कार्यालय के बाहर किया गया।

मराठी सम्मलेन पर मिले दोनों 'शिवसेना' के सुर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कर्नाटक की सिद्दारमैया सरकार ने महाराष्ट्र एककीकरण समिति की ओर से सोमवार को बेलगावी में आयोजित होने वाले वार्षिक मराठी सम्मलेन पर इस साल पाबंदी लगा दी है। साथ ही राज्य की कांग्रेस सरकार ने कांग्रेस सरकार ने महाराष्ट्र से नेताओं के आने पर भी रोक लगा दी है। यह विवाद अब बढ़ता जा रहा है। इस मामले को लेकर महाराष्ट्र का सत्तापक्ष और विपक्ष एक सुर में बोल रहा है। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने आरोप लगाया कि कर्नाटक के बेलगाम में मराठी भाषी लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने मांग की कि इस क्षेत्र को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया जाए। वहीं अब इस मामले में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर हमला बोला है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि "कर्नाटक में मराठी भाषी लोगों ने एक सम्मेलन आयोजित किया था। इस देश में कोई भी कहीं भी रह सकता है, कहीं भी जा सकता है और सम्मेलन आयोजित कर सकता है, लेकिन कर्नाटक सरकार ने दमन चक्र चलाया और विधायक, महापौर और मराठी एकीकरण समिति के 100 से अधिक मराठी भाषी भाइयों और बहनों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने सम्मेलन का आयोजन किया था। मैं इसकी निंदा करता हूं।" उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सावरकर का सम्मान किया जाना चाहिए। मैं उन लोगों की निंदा करता हूं जो उनकी प्रतिमा को हटाने की कोशिश कर रहे हैं।

पश्चिम रेलवे ने विशेष 'डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र' किया लॉन्च

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे ने हाल ही में पेंशनभोगियों/पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए पश्चिम रेलवे के विभिन्न मंडलों और इकाइयों में विशेष डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) अभियान 3.0 शुरू किया । पेंशनभोगियों की सुविधा और लाभ के लिए डिजिटल रूप से अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए इस अभियान को विभिन्न प्लेटफार्मों, पेंशनर्स एसोसिएशनों और सोशल मीडिया पर प्रचारित किया जा रहा है।

पेंशनभोगियों के लिए अभियान

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पेंशनभोगियों के लिए पेंशन का लाभ उठाने के लिए बैंकों में जीवन प्रमाण पत्र जमा करना एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। कागजी कार्रवाई कभी-कभी बुजुर्गों के लिए शारीरिक रूप से बैंक तक पहुंचने की एक थकाऊ और चिंताजनक प्रक्रिया हो सकती है। इस प्रक्रिया में पेंशनभोगी को नवंबर के महीने में एक बार बैंक जाकर अपने जीवित होने के प्रमाण के रूप में अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करना होता है। यदि पेंशनभोगी महीने के अंत तक बैंक में जीवन प्रमाण पत्र जमा नहीं कर पाता है, तो उसे कार्यालय जाकर पेंशन शुरू करने के लिए लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।

विशेष डीएलसी अभियान शुरू

विनीत ने कहा कि इस प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए, पश्चिम रेलवे ने एक विशेष डीएलसी अभियान शुरू किया, जिसमें पेंशनभोगियों को अपने घर बैठे ही नियत तारीख से पहले अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। सभी छह मंडलों यानी मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, अहमदाबाद, रतलाम, भावनगर और राजकोट डिवीजनों और पश्चिम रेलवे की पांच इकाइयों में कार्मिक विभाग के समन्वय से लेखा विभाग के कर्मचारियों द्वारा एक पूर्णकालिक डीएलसी अभियान चलाया गया। आयोजन स्थल के आसपास कई शिविर लगाए गए और बैंकों में सुविधा केंद्र स्थापित किए गए, जिससे पेंशनभोगियों/पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए अपना जीवन प्रमाण पत्र डिजिटल रूप से जमा करना आसान और सुचारू हो गया। इकाइयों द्वारा सेमिनार, बैंकों के शाखा प्रबंधकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और बैंकों में सुविधा काउंटर स्थापित करने जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। ये शिविर बोरीवली, विरार जैसे व्यस्त उपनगरों के साथ-साथ नंदुरबार, अमलनेर, व्यारा आदि जैसे दूरदराज के स्थानों पर भी आयोजित किए गए। पश्चिम रेलवे के विभिन्न मंडलों और कार्यशालाओं में विभिन्न स्थानों और स्टेशनों पर कई शिविर, सेमिनार और बैंकों में सुविधा काउंटर भी लगाए गए। इन शिविरों में लगभग 1500 पेंशनभोगियों ने भाग लिया और लगभग 900 पेंशनभोगियों ने अपना जीवन प्रमाण पत्र डिजिटल रूप से जमा किया।

नए ठाणे रेलवे स्टेशन के पास उच्च दबाव बिजली लाइन के विकल्प पर विचार

मनपा आयुक्त सौरभ राव ने एक माह के भीतर समाधान खोजने का दिया निर्देश

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मनपा आयुक्त सौरभ राव ने ठाणे-मुलुंड के बीच बन रहे नए रेलवे स्टेशनों के पास हाई प्रेशर पावर लाइन के विकल्प पर एक महीने के भीतर समाधान निकालने का दिया निर्देश। ठाणे स्मार्ट सिटी के तहत ठाणे और मुलुंड के बीच मनोरोग अस्पताल के निकट एक नया रेलवे स्टेशन बन रहा है। इसमें रेलवे सर्कुलेशन एरिया में ट्रैक निर्माण, रेलवे स्टेशन बिल्डिंग का निर्माण जैसे सहायक कार्य रेलवे द्वारा किए जा रहे हैं, जबकि सर्कुलेशन एरिया के बाहर डेक, रैंप जैसे सहायक कार्य स्मार्ट सिटी द्वारा किए जा रहे हैं।

पिछले दिनों मनपा आयुक्त सौरभ राव ने निरीक्षण किया

इस कार्य का पिछले दिनों मनपा आयुक्त सौरभ राव ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त (1) संदीप मालवी, अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे, उप नगर अभियंता सुधीर गायकवाड, कार्यकारी अभियंता धनाजी मोड, महावितरण के अधिकारी आदि उपस्थित थे। इस निरीक्षण के दौरान आयुक्त राव ने इस प्रोजेक्ट से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी ली। सेंट्रल रेलवे लाइन से गुजरने वाली उच्च दबाव बिजली लाइन के कारण काम न रुके इसके लिए आयुक्त ने महा वितरण अधिकारियों को 15 दिसंबर तक तत्काल उपाय करने और एक महीने के भीतर वैकल्पिक उपाय करने का निर्देश दिया।

नए उपनगरीय रेलवे स्टेशन की जानकारी

- ठाणे-मुलुंड स्टेशन के बीच प्रस्तावित नए उपनगरीय रेलवे स्टेशन की महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए ठाणे क्षेत्रीय मनोरोग अस्पताल की 14.83 एकड़ भूमि की उपलब्धता के संबंध में मुंबई उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार मनपा ने एक नया निर्माण किया है स्टेशन के लिए आवश्यक स्थान में 05 महिला रोगी कक्षों का निर्माण एवं उसका उपयोग प्रारम्भ हो गया है।
- रोगी वार्ड को स्थानांतरित करने के कारण अक्टूबर 2023 से नया उपनगरीय रेलवे स्टेशन शुरू किया गया है।
- इस नए स्टेशन तक जाने के लिए 03 लेन हैं और 01 लेन ईस्टर्न एक्सप्रेसवे से जुड़ी होगी।
- इस स्टेशन के कार्य के लिए कुल 119 करोड़ 32 लाख और सड़कों व सर्कुलेटिंग एरिया के विकास के लिए कुल 143 करोड़ 70 लाख, 263 करोड़ 02 लाख रुपये होंगे खर्च। यह काम ठाणे स्मार्ट सिटी लिमिटेड के तहत किया जाएगा।
- नए स्टेशन से मुख्य रूप से वागले एस्टेट, घोड़बंदर रोड क्षेत्र के निवासियों को लाभ होगा। साथ ही भविष्य में बढ़ती आबादी के लिए भी यह स्टेशन उपयोगी होगा।

भिवंडी मनपा की महिला अधिकारी ने जीता 'मिसेज महाराष्ट्र 2024' का खिताब

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

मिसेज महाराष्ट्र 2024 (सीजन 8) इस प्रतियोगिता का आयोजन देवा पेजेंट्स, पुणे द्वारा गृहिणियों और कामकाजी महिलाओं के लिए किया गया था। इस प्रतियोगिता में राज्य भर से कुल 50 महिलाओं ने भाग लिया, जिनमें भिवंडी निज़ामपुर शहर नगर निगम की महिला अधिकारी सायराबानो अंसारी भी शामिल थीं। प्रतियोगिता 1 दिसंबर 2024 को पुणे के ग्रैंड हयात होटल में आयोजित की गई थी। सायरा बानो अंसारी को श्रीमती महाराष्ट्र रेडियंस अवार्ड और श्रीमती महाराष्ट्र पब्लिक चॉइस अवार्ड से सम्मानित किया गया। इन पुरस्कारों को स्वीकार करते हुए सायरा बानो अंसारी ने कहा, ये पुरस्कार मेरे लिए गौरव का क्षण हैं। मेरा उद्देश्य सिर्फ प्रतियोगिता जीतना नहीं था, बल्कि खुद को पहचानना और अपने कौशल को परखना था। एक मां, एक कामकाजी महिला और दो बच्चों की मां होते हुए, अपने करियर की जिम्मेदारियों, पारिवारिक जिम्मेदारियों और प्रतियोगिता की तैयारी के बीच संतुलन बनाना मेरे दृढ़ संकल्प और समय प्रबंधन की वास्तविक परीक्षा थी।

तीसरे दिन चार विधायकों ने ली शपथ

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा के विशेष सत्र के तीसरे दिन सोमवार को कुल चार विधायकों ने शपथ ली। विधान सभा में प्रोटेम स्पीकर कालीदास कोलंबकर ने विधायकों को सदन के सदस्य के रूप में शपथ दिलाई। सदन में राकांपा (शरद) के विधायक जयंत पाटील, राकांपा (शरद) के विधायक उत्तम जानकर, राकांपा (अजित) के विधायक सुनील शेलके और जन सुराज्य शक्ति पार्टी के विधायक विनय कोरे ने शपथ ली। इससे तीन दिन के सत्र के दौरान कुल 288 में से 283 विधायकों ने शपथ ली। जबकि राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने प्रोटेम स्पीकर के रूप में कोलंबकर को सत्र शुरू होने से पहले शपथ दिलाई थी। वहीं इस सत्र में विभिन्न कारणों से चार विधायक शपथ नहीं ले सके हैं। इन विधायकों को विधानसभा अध्यक्ष के केबिन में शपथ लेने का मौका दिया जाएगा।

मोबाइल दुकान में चोरी

1.30 लाख के नए पुराने मोबाइल सहित नगद रुपए ले गए चोर

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के टेमघर पाड़ा स्थित केटीएम शोरूम के ठीक सामने पी.जे मोबाइल नामक मोबाइल फोन की दुकान में देर रात चोरी की घटना घटित हुई, चोरों ने दुकान का शटर तोड़ कर एक लाख 15 हजार रूपए के नए और पुराने मोबाइल सहित 15 हजार नगद रूपए लेकर फरार हो गए है। दुकान के मालिक राहुल चव्हाण को इसकी सूचना अगले सुबह तब मिली, जब वो दुकान खोलने पहुंचा। राहुल ने देखा कि दुकान का शटर टूटा हुआ है। दुकान मालिक ने इसकी सूचना तुरंत ही शांतिनगर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उक्त घटना का पंचनामा कर जांच में जुट गई है।

ग्राहकों का फोन भी ले गए चोर

दुकान मालिक राहुल चव्हाण ने स्थानीय पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में बताया कि वह शनिवार की रात दुकान बंद कर के घर चला गया, जाते समय उसने कुछ बड़े और महंगे मोबाइल अपने साथ घर ले गया था। परंतु रविवार की सुबह जब राहुल दुकान खोलने पहुंचा तो देखा कि दुकान का शटर टूटा हुआ है और दुकान का सारा सामान भी बिखरा पड़ा है। उसे आभास हो गया कि दुकान में चोरी हुई है। उन्होंने बताया कि दुकान से 15 नए मोबाइल एवं ग्राहकों के रिपेयरिंग हेतु रखे कई मोबाइल फोन गायब है। इतना ही नहीं दुकान के गल्ले में रखे 15 हजार नगद रूपये भी नहीं है। अज्ञात चोरों ने दुकान से कुल 1 लाख 30 हजार का सामान व कैश ले उड़े है। इस प्रकरण में स्थानीय पुलिस ने राहुल कैलास चव्हाण की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ बीएनएस की धारा 303, 331(4) के तहत मामला दर्ज कर चोर की तलाश में जुट गई है।

पालघर का बाइक चोर विरार से गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । पालघर

लोकल क्राइम ब्रांच, पालघर इकाई ने पालघर पुलिस स्टेशन में दर्ज बाइक चोरी के दो मामलों का खुलासा करते हुए विरार से एक बाइक चोर को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 15 जुलाई और 20 नवंबर को पालघर पूर्व रेलवे स्टेशन पार्किंग से दो मोटरसाइकिलें चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले और पुलिस उपाधीक्षक पालघर अभिजीत धाराशिवकर के मार्गदर्शन में मामले की जांच क्राइम ब्रांच, पालघर के प्रभारी प्रदीप पाटिल को सौंपी गई।

मामले की जांच जारी

क्राइम ब्रांच टीम ने जांच तेज करते हुए मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर डोंगरपाड़ा, विरार (प.) स्थित एक फ्लैट से मूल रूप से राउरकेला, ओडिशा निवासी विजय कृष्णा घोष (43) को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद क्राइम ब्रांच, पालघर यूनिट के उपनिरीक्षक रविंद्र वानखेड़े, पुलिस हवलदार संदीप सरदार, दिनेश गायकवाड़ और राकेश पाटिल ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

डीबीडी संवाददाता । भुसावल

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, भुसावल में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की एक बैठक 9 दिसंबर को आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक, श्रीमती इति पाण्डेय ने की। बैठक में मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) सुनील कुमार सुमन, अपर मंडल रेल प्रबंधक तकनीकी एम के मीणा एवं सभी वरिष्ठ शाखा अधिकारी और समिति के सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने और इसे कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर दिया। बैठक का सूत्रसंचालन राजभाषा अधिकारी, भुसावल ने कुशलता पूर्वक किया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए उठाए गए कदमों की चर्चा की।

मनाया गया यौन उत्पीड़न की रोकथाम सप्ताह

डीबीडी संवाददाता । भुसावल

रेल्वे बोर्ड एवं मुख्यालय के निर्देशानुसार 9 दिसंबर को मध्य रेल्वे के भुसावल मंडल पर ' कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम सप्ताह' मनाया गया। मंडल रेल प्रबंधक भुसावल, इति पांडे के अध्यक्षता में मंडल कार्यालय के सभागृह में इस विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में आंतरिक शिकायत समिति के अध्यक्ष विलीना मेटापल्ली, वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी, भुसावल और समिति के सदस्य विजय खैची, वरिष्ठ मंडल संकेत व दूरसंचार अधिकारी भुसावल उपस्थित थे। कार्यशाला की प्रस्तावना एन.एस. काजी, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी द्वारा की गई। इस कार्यशाला में मंडल के सभी शाखाओं की महिला कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस कार्यशाला का संचालन वीरेन्द्र वडनेरे सहायक कार्मिक अधिकारी ने किया तथा धन्यवाद प्रस्ताव अतुल कुमार रायकवार, सहायक कार्मिक अधिकारी द्वारा किया।

'इंटरकास्ट करने वाले कपल्स की सिक्योरिटी का ध्यान रखे सरकार'

स्टेट गेस्ट हाउसेस में करे सेफ इंतजाम: बॉम्बे हाईकोर्ट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए अंतरजातीय या अंतरधार्मिक विवाह के कारण सुरक्षा संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे कपल्स को लेकर बड़ी बात कही। हाईकोर्ट ने कहा कि ऐसे कपल्स के लिए महाराष्ट्र के प्रत्येक जिले में स्थित सरकारी अतिथिगृहों (State guest houses) को सेफ हाउसेस के रूप में नामित किया जा सकता है। जस्टिस रेवती मोहिते-डेरे और शिवकुमार डिगे की पीठ ने कहा कि चूंकि प्रत्येक जिले में सरकारी अतिथिगृह हैं, इसलिए उनके कुछ कमरों को सेफ हाउसेस के रूप में नामित किया जा सकता है।

जजों की पीठ की अहम टिप्पणी

जजों की खंडपीठ ने कहा, ऱ्ऐसी समस्याओं का सामना करने वाले लोगों की संख्या इतनी अधिक नहीं है। आपको बस यह सुनिश्चित करना होगा कि इसे इस उद्देश्य के लिए नामित किया गया है। और यह सभी जगह होना चाहिए, केवल मुंबई या पुणे में नहीं हो सकता। राज्य अतिथिगृहों में हमेशा पुलिस की मौजूदगी होती है, इसलिए आपको अतिरिक्त बल तैनात करने की आवश्यकता नहीं है।ऱ कोर्ट ने यह बात तब कही जब राज्य ने विभिन्न जिलों में सेफ हाउससे की पहचान करने के लिए समय मांगा और कहा कि वह ऐसा करने की प्रक्रिया में हैं।

कोर्ट ने दिखाई सख्ती

इस पर पीठ ने कहा, ऱपहले आचार संहिता। फिर विधानसभा। यह सब नहीं चलेगा। हम आपको और समय नहीं देंगे। हमें विधानसभा का बहाना मत बताइए। पहले चुनाव हुए और अब विधानसभा। अगर वे कोई नीति लेकर आते हैं तो हमें उनकी (उप सचिव (गृह) और उप सचिव (सामाजिक न्याय विभाग)) मौजूदगी की जरूरत नहीं है। आप हमें मसौदा दिखाएं, अगर कोई कमी है तो हम आपको बता सकते हैं।ऱ पीठ के पिछले आदेश के समय उप सचिव अदालत में मौजूद थे, जिसमें उन्हें सभी सूचनाओं के साथ मौजूद रहने को कहा गया था। करीब छह साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने देश भर के राज्यों को अंतरजातीय या अंतरधार्मिक विवाह के कारण सुरक्षा संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे कपल्स के लिए सेफ हाउसेस बनाने का निर्देश दिया था।

याचिकाकर्ता की दलील

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए अधिवक्ता मिहिर देसाई और लारा जेसानी ने कुछ सुझाव दिए। उन्होंने बताया गया कि दिल्ली और चंडीगढ़ प्रशासन ने ऐसे मुद्दों से निपटने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तय की हुई है जिसमें सुरक्षा संबंधी मुद्दों का सामना करने वाले कपल्स हेल्पलाइन पर कॉल कर सहायता मांग सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए, जिसमें कपल्स को सेफ हाउसेस में रखा जाता है, जिसमें व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुएं, भोजन, विजिटर एक्सेस को नियंत्रित करना, कानूनी सहायता के साथ परामर्श हेल्पलाइन भी उपलब्ध कराई जाती है। एसओपी में यह भी कहा गया है कि यदि कोई कपल सेफ हाउसेस में नहीं रहना चाहता है, तो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनके ठहरने के स्थान पर खतरे के मद्देनजर कपल्स को तुरंत पुलिस सुरक्षा भी प्रदान की जानी चाहिए। पीठ ने राज्य सरकार को देसाई और जेसानी द्वारा दिए गए एसओपी को देखने और 20 दिसंबर तक उस पर विचार करने के बाद एक मसौदा नीति परिपत्र लाने का निर्देश दिया। हालांकि, अतिरिक्त लोक अभियोजक ने यह कहते हुए कुछ और समय मांगा कि अगले सप्ताह नागपुर में महाराष्ट्र विधानसभा का सत्र होने वाला है।

पत्नी की हत्या कर चेन्नई भागा पति

कैब ड्राइवर के फोन से मांगे रिश्तेदार से पैसे, हुआ गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई के ट्रॉम्बे पुलिस ने 34 वर्षीय अमोल पवार को पत्नी राजश्री पवार की हत्या के मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि अमोल ने 29 नवंबर की सुबह अपनी पत्नी का गला घोंटकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद वह फरार हो गया था। जानकारी के मुताबिक अमोल पवार ने 40-50 लोगों से रुपये उधार लिए थे। जिसे चुकाने में असमर्थता और शराब की लत के चलते उसकी पत्नी से लगातार गहने मांगने पर झगड़ा होता था। 29 नवंबर को हुए झगड़े में अमोल ने अपनी पत्नी का गला दबाकर हत्या कर दी और अपनी मां और बहन को फोन कर घटना की जानकारी दी।

कॉल ट्रेस कर लगाया पता

हत्या के बाद अमोल ने अपना मोबाइल बंद कर दिया और नवी मुंबई होते हुए दिल्ली पहुंचा। दिल्ली में उसने एक ओला ड्राइवर के फोन से रिश्तेदारों को कॉल कर पैसे मांगे। पुलिस ने कॉल को ट्रेस किया और अमोल के चेन्नई जाने की जानकारी मिली। पुलिस की टीम ने चेन्नई पहुंचकर आरोपी को पकड़ने की योजना बनाई। एक दिन अमोल ने फिर से रिश्तेदारों को फोन किया, जिस दौरान पुलिस ने उसे ट्रैक कर 15 मिनट में गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस उसे मुंबई लेकर पहुंची और उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया।

चेन्नई से गिरफ्तार हुआ आरोपी

बताया जा रहा है कि इस केस को सुलझाने में एडिशनल पुलिस कमिश्नर महेश पाटिल, डिप्टी कमिश्नर नवनाथ धवले, और ट्रॉम्बे पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गंगाराम वलवी की टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

'हर किसी को रैली करने का अधिकार, इसे रोक नहीं सकते'

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बारामती पुलिस को लगाई फटकार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को बारामती पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा कि वह AIMIM के पुणे जिला अध्यक्ष को संविधान दिवस, हजरत टीपू सुल्तान सम्मान दिवस और भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आजाद सम्मान दिवस के मौके पर रैली आयोजित करने का अधिकार नहीं छीन सकती। दरअसल, यह रैली नवंबर में आयोजित की जानी थी, लेकिन बारामती पुलिस ने याचिकाकर्ता फैज़ इलाही शेख को अनुमति देने से मना कर दिया था, जिसके बाद उन्होंने अपने वकीलों तपन थत्ते और विवेक अरोते के जरिए कोर्ट का रुख किया था।

बारामती पुलिस ने किया था इनकार

थत्ते ने यह मुद्दा उठाया कि पिछले साल भी एक ऐसी ही रैली आयोजित की जानी थी, लेकिन विश्व हिंदू परिषद (VHP) और बजरंग दल के कुछ सदस्यों ने इसका विरोध किया था, जिसके बाद बारामती पुलिस ने रैली आयोजित करने की अनुमति खारिज कर दी थी। इसी प्रकार के मुद्दे को ध्यान में रखते हुए, पुलिस ने इस साल भी अनुमति देने से इनकार कर दिया। पिछले साल की रैली के दौरान, VHP और BD के सदस्यों ने AIMIM रैली आयोजकों के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी, जबकि शेख और अन्य ने भी राइट-विंग संगठन के सदस्यों के खिलाफ शोर-शराबा करने के लिए FIR दर्ज कराई थी।

कोर्ट ने कहा, नहीं छीन सकते अधिकार

सुनवाई के दौरान, जस्टिस रेवती मोहिते-डेरे और जस्टिस शिवकुमार डिगे की बेंच ने कहा, 'हर किसी को रैली आयोजित करने का अधिकार है, इसे आप नहीं रोक सकते।' बेंच ने पूछा कि समस्या क्या है? पुलिस को कानून-व्यवस्था को संभालना होता है। आप रैली का मार्ग बदल सकते हैं, लेकिन अनुमति देने से मना नहीं कर सकते। थत्ते ने अदालत को बताया कि आयोजक अब 13 दिसंबर को रैली आयोजित करना चाहते थे, लेकिन तैयारी के लिए कम समय होने के कारण, वे अगले हफ्ते रैली आयोजित करना चाहेंगे।

बेंच ने दिया ये निर्देश

बेंच ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वह रैली आयोजित करने के लिए दो वैकल्पिक तारीखों के साथ फिर से अनुमति के लिए आवेदन करें, ताकि पुलिस किसी एक तारीख पर रैली आयोजित करने की अनुमति दे सके।

वीर सावकर की तस्वीर का मुद्दा गरमाया

कर्नाटक में वीर सावरकर की तस्वीर हटाने के फैसले पर बीजेपी ने उद्धव ठाकरे को घेरा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कर्नाटक में स्वातंत्र्य वीर सावरकर की फोटो को विधानसभा से हटाने के फैसले पर राजनीति गरमाने लगी है। महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के फैसले पर कहा कि यह निर्णय अत्यंत निंदनीय एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का अपमान करने वाला है। विधानसभा से वीर सावरकर की तस्वीर हटाने को लेकर कर्नाटक सरकार की तरफ से सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। सरकार से जुड़े सूत्रों से इस फैसले की जानकारी मीडिया में आने के बाद बीजेपी ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस सरकार फैसला इसलिए लिया है क्योंकि उसका मानना है कि स्वतंत्रता सेनानी का राज्य के लिए कोई योगदान नहीं था। यह चित्र पिछली बसवराज बोम्मई सरकार ने 2022 ने स्थापित किया था।

स्वतंत्रता आंदोलन का अपमान

कर्नाटक सरकार के फैसले का हवाला देते हुए महाराष्ट्र बीजेपी के चीफ चंद्रशेखर बावनकुले ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लियाा है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने विधानसभा भवन से स्वातंत्र्य वीर सावरकर की मूर्ति हटाने का फैसला किया है। यह फैसला गलत और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का अपमान करने वाला है। बावनकुले ने लिखा है कि यह भारत माता की आजादी के लिए स्वतंत्रता नायक सावरकर के कष्टों, बलिदानों और विचारों को नजरअंदाज करने की कांग्रेस की चाल है।

उद्धव ठाकरे पर बोला हमला

बावनकुले ने लिखा है कि क्या सत्ता के लिए बेचैन और वोटों के लिए अपना हिंदुत्व रुख छोड़कर उद्धव ठाकरे इसका विरोध करेंगे या हमेशा की तरह इसे निगल लेंगे और चुप रहेंगे? कांग्रेस के साथ गठबंधन करते समय ठाकरे ने सावरकर के विचारों को तवज्जो दी है। इसीलिए आज उन्हें 'टीपू सेना' कहने का समय आ गया है। आज़ादी के नायक सावरकर के विचार अमर हैं, उनका अपमान करने वाली कांग्रेस और उसके साथियों को इतिहास कभी माफ नहीं करेगा। उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ महाविकास आघाड़ी (एमवीए) में हैं। इतना ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर उनकी पार्टी शिवसेना यूबीटी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। बीजेपी की तरह उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली अविभाजित शिवसेना शुरुआत से वीर सावरकर को नायक मानती आई है।

लोक अदालत सेवा विषयक 138 मामलों का निपटारा

मुंबई। महाराष्ट्र प्रशासकीय न्यायाधिकरण के (मॅट) इतिहास में 33 वर्षों में प्रथमतलः ही लोक अदालत का आयोजन किया गया था। इस लोक अदालत में 542 सेवा विषयक मामलों में से 138 मामलों का निपटान किया गया है। न्यायाधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ती मृदुला भाटकर के मार्गदर्शन में यह अभिनव उपक्रम सफल हुआ। महाराष्ट्र प्रशासकीय न्यायाधिकरण और मुंबई उच्च न्यायालय विधि सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित लोक अदालत के लिए तीन पॅनल आयोजित किये गए थे। पॅनल प्रमुख के रूप में न्यायमूर्ती विनय जोशी, सेवानिवृत्त सदस्य (न्या) ए. पी. कुहेकर, आर. बी.मलिक ने कामकाज देखा। नितिन गद्रे (नागपूर), विजयकुमार (औरंगाबाद), विजया चौहान, संदेश तडवी, आर. एम. कोलगे और एम.बी. कदम ने सदस्य के रूप में कामकाज देखा।

मध्य रेलवे ने की 51.73 मिलियन टन की उल्लेखनीय माल ढुलाई दर

मुंबई। मध्य रेलवे द्वारा इस वित्तीय वर्ष में अब तक 51.73 रु नवंबर -2024 सहित मिलियन टन उल्लेखनीय माल ढुलाई दरें 6.72 प्रति माह मिलियन टन की प्रभावशाली लोडिंग शामिल है। मध्य रेलवे ने खाद्यान्न , चीनी , कंटेनर और पेट्रोलियम उत्पादों जैसी वस्तुओं के क्षेत्र में अपने प्रदर्शन में सुधार किया है , जिससे यह पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में वृद्धिशील लोडिंग हासिल करने में सक्षम हुआ है।

मध्य रेल

फॉल प्लेट का सेट व्यवस्था एवं टिका फूट प्लेट का प्रापण

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, सवारी व मालडिब्बा कारखाना, माटुंगा, मुंबई 400 019. **निविदा संख्याः 85235835D. विवरणः** फॉल प्लेट का सेट व्यवस्था एवं टिका फूट प्लेट के लिए अनुसार अनुबंध - I. **मात्राः** 225 Set. **खोलने के लिए नियत तारीखः** 04/01/2025. **निविदा मूल्य :** ₹ 5426377.50. मध्य रेल की अधिकारिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर निविदा का पूरा विवरण उपलब्ध है. वेबसाइट से सम्पूर्ण दस्तावेज डाउनलोड किए जा सकते हैं।

निविदा नोटिस संख्याः CWE/MTN/85235835D/2024 601

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रुप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

एसी ट्रैक्शन मोटर की नियमित समग्र मरम्मत/ओवरहॉलिंग कार्य

कार्य का विवरणः ए.सी. भेल ईएमयू रेक्स के 03 फेज एसी ट्रैक्शन मोटर प्रकार IM3601AZ की नियमित समग्र मरम्मत/ओवरहॉलिंग कार्य 12 माह की अवधि के लिए। **अनुमानित लागतः** ₹ 56781977.6. **ईएमडीः** ₹ 433900/-. **निविदा प्रपत्र का शुल्कः** NIL. **समापन अवधिः** 12 महीना। **निविदा जमा करने की तिथि एवं अवधीः** 30/12/2024, 13:30 बजे तक। **बोली शुरू करने की तारीखः** 16/12/2024. **टेंडर केवल ई-टेंडरिंग में वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। टेंडर पंजिका वेबसाइट में उपलब्ध है।**

निविदा सूचना क्र. आरआर/पीआर/एसएनपीडी/245/24-25/21 599

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रुप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)

सादर सेवा

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लि. की ओर से, प्रधान मुख्य अभियंता, निम्नलिखित कार्य के लिए पात्र ठेकेदारों से IREPS पोर्टल पर ई-निविदा के माध्यम से सिंगल बोली प्रणाली में खुली निविदा आमंत्रित करते हैं. **कार्य का नाम:** कोकण रेलवे पर वरिष्ठ प्रादेशिक अभियंता, कारवार विभाग में वरिष्ठ विभाग अभियंता, कारवार के अधीन किमी 459/400 से किमी 556/600 तक के ट्रैक के रखरखाव के लिए स्थायी मार्ग क्षेत्रीय अनुबंध। **निविदा सूचना सं.:** केआर-डब्ल्यू-1-58-2024-20. **अनुमानित लागत:** ₹ 4,85,04,545/- (जीएसटी को छोड़कर). **ऑनलाइन ऑफ़र/ बोलियां जमा करने के लिए अंतिम तिथि/ समय:** 01/01/2025 को 15:00 बजे तक. **समापन अवधि:** मानसून सहित 24 (चौबीस) महीने. मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किए जाएंगे. विवरण / भाग लेने के लिए कृपया https://ireps.gov.in वेबसाइट देखें. शुद्धिपत्र/परिशिष्ट इस वेबसाइट में ही प्रकाशित किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे

मुंबई मंडल में चाय की दुकानों का प्रावधान

दिसंबर 2024 के महीने के लिए "A1, A1, B और D" श्रेणी के स्टेशनों पर चाय की दुकानों के लिए ई-नीलामी आयोजित की जाएगी।

नीलामी सूची संख्याः BCT-CTG-24-23

ई-नीलामी की तिथिः 20.12.2024

अ.क्र.	लॉट नंबर	स्टेशन	स्टेशन की श्रेणी	जगह
एए/1	कैटलॉग-बीसीटी-एमएमसीटी-एसएमयू-4-22-1	मुंबई सेंट्रल	ए 1	पीएफ नंबर 1/2
एए/2	कैटलॉग-बीसीटी-यूवीडी-एसएमयू-95-24-1	उदवाडा	बी	पीएफ नंबर 2/3
ए ए/3	कैटग-बीसीटी-बीएल-एसएमयू-97-24-1	वलसाड	ए	पीएफ नंबर 1
एए/4	कैटलॉग-बीसीटी-एनडीबी-एसएमयू-106-23-1	नंदुरबार	बी	पीएफ नंबर 1
एए/5	कैटलोग-बीसीटी-यूडीएन-एसएमयू-98-24-1	उधना	ए	पीएफ नंबर 1
एए/6	कैटलॉग-बीसीटी-डीडीई-एसएमयू-141-24-1	दोंडाइचा	डी	सर्कुलेटिंग एरिया
एए/7	कैटलॉग-बीसीटी-बीएल-एसएमयू-138-24-1	वलसाड	ए	पीएफ नंबर 2/3
एए/8	कैटलॉग-बीसीटी-यूडीएन-एसएमयू-94-23-1	उधना	ए	पीएफ नंबर 1
एए/9	कैटलॉग-बीसीटी-पैड-एसएमयू-140-24-1	पारदी	डी	पीएफ नंबर 2/3
एए/10	कैटलॉग-बीसीटी-एनवीएस-एसएमयू-103-24-1	नवसारी	ए	पीएफ नंबर 1

इकाई का प्रकारः चाय की दुकान. क्षेत्रफल (वर्ग फ़ुट): 60 वर्ग फुट. ई-नीलामी का समयः 12:00 बजे. नोटः संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट के अनुसार विवरण नीचे दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं।

0819

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न स्थानों पर एसी प्लांट का सीएएमसी

सीनियर डीईई/पी/बीसीटी **निविदा सूचना संख्याः ईएल/मेंट/4/322/डब्ल्यूए/10 दिनांक 06/12/2024 को आमंत्रित करता है. कार्य और स्थानः मुंबई डिवीजन - मुंबई सेंट्रल टीएमएस, रेल निकुंज, पीआरएस, उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय, वलसाड** नियंत्रण, सूरत पीएल 1/1 यूटीएस में एसी प्लांट का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध और 2 वर्षों के लिए एसी प्लांट का संचालन और निगरानी, साथ ही वलसाड और नंदुरबार से मुंबई सेंट्रल और चर्चगेट में एसी प्लांट को हटाना, स्थानांतरित करना. **कार्य की अनुमानित लागतः** 83,09,472/-. **ईएमडीः** 1,66,200/-. **जमा करने की तिथि और समयः** 02.01.2025, 15:00 बजे तक. खुलने की तिथि और समयः 02.01.2025 को 15:30 बजे.अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट पर जाएंः www.ireps.gov.in

0821

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

वरिष्ठ डीएसटीई/एन/एमएमसीटी आमंत्रित करता है **ई-निविदा सूचना संख्याः SG_216_2_111_WA. दिनांकः 06.12.2024. कार्य और स्थानः** MSDAC के साथ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का डिज़ाइन, आपूर्ति, परीक्षण और कमीशनिंग और अन्य आउटडोर कार्य मुंबई डिवीजन पश्चिम रेलवे के सचिन स्टेशन पर आइलैंड प्लेटफ़ॉर्म नंबर 2 और लूप लाइन नंबर 1 पर नए प्लेटफ़ॉर्म के विस्तार और उठाने के कार्य के संबंध में. **कार्य की अनुमानित लागतः** 6,45,15,618.97/-. **बयाना राशि जमाः** 4,72,600.00/-. **ई-टेंडर दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 30.12.2024, 15:00 बजे तक. **ई-टेंडर खोलने की अंतिम तिथि और समयः** 30.12.2024 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट देखेंः www.ireps.gov.in

0822

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

वीपीएम के केएचएस और जूनियर कॉलेज में 'टी' वार्ड विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

मुंबई। 'टी' वार्ड के शिक्षा विभाग, द्वारा सहशालेय उपक्रम समिति के सहयोग से ११ से १३ दिसंबर २०२४ तक वीपीएम कन्नड़ हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज, मुलुंड (पूर्व) में एक भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में वार्ड के भीतर १०० से अधिक स्कूलों के छात्रों के २३० से अधिक नए-नए परियोजनाएँ प्रदर्शित किए जाएँगे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन ११ दिसंबर २०२४ को सुबह ९.०० बजे उत्तर क्षेत्र मुंबई के शिक्षा निरीक्षक डॉ. मुश्ताक शेख द्वारा किया जायेगा। तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में छात्रों और शिक्षकों को अपने प्रोजेक्ट्स, मॉडल्स और शिक्षण उपकरण प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगी।

ये रहेंगे उपस्थित

इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष श्रीराम कुलकर्णी, प्रमुख अतिथि संदीप गोस्वामी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण अहमदाबाद के पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर और खगोल भौतिकी प्रो. अशोक नगरहल्ली का व्याख्यान होगा।

इस वर्ष का विषय 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी'है, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को वैश्विक चुनौतियों के लिए नए-नए उपायों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करना है। यह कार्यक्रम छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण को निखारने का मंच प्रदान करने का एक अथक प्रयास है।

फडणवीस के शपथग्रहण में हाथ की सफाई

11 सोने की चेन समेत 12 लाख का माल ले उड़े चोर

मुंबई। महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का शपथग्रहण मुंबई के आजाद मैदान में भव्यता के साथ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आजाद मैदान में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। लेकिन इसके बाद भी चोर कई लोगों की जेब और चेन खींचने में सफल रहे। पुलिस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक कुल 13 लोगों ने आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में चोरी की शिकायत दर्ज कराई, इसमें महिलाएं भी शामिल हैं। शिकायतों से पता चला है कि समारोह के दौरान 11 सोने की चेन और 2 पर्स सहित 12।4 लाख का कीमती सामान चोरी हो गया। बता दें कि 5 दिसंबर की शाम को आयोजित किए गए इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कई मुख्यमंत्री, मंत्री, बॉलीवुड हस्तियां और देश भर से हजारों नेता और कार्यकर्ता पहुंचे थे।

शपथग्रहण में थी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम के लिए, मुंबई पुलिस ने 4 हजार कर्मियों का एक विशाल सुरक्षा बल तैनात किया था। अतिरिक्त व्यवस्थाओं में एसआरपीएफ प्लाटून, त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी), दंगा नियंत्रण इकाइयां, डेल्टा और लड़ाकू दल और बम डिटेक्शन और डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) शामिल थे। इन सख्त पाबंदियों के बावजूद, चोरों ने कई लोगों को चूना लगा दिया।

अज्ञात के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज

पुलिस के मुताबिक कार्यक्रम समाप्त होते समय लोग आजाद मैदान के गेट नंबर 2 से बाहर निकले। इस दौरान चोरों ने भीड़ का फायदा उठाते हुए सोने की चेन और पर्स चुरा लिए। सामान गायब होने का एहसास होने पर कई पीड़ित शिकायत दर्ज कराने के लिए आजाद मैदान पुलिस स्टेशन पहुंचे। पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है और मामले की जांच कर रही है।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

बेघरों का बसेरा

कोई भी ऋतु हो, जब भी मौसम का चरम नजर आता है गरीब को इससे मार खानी पड़ती है। जब ठंड आती है तो शीतलहर से गरीब मरता है। बारिश होती है तो निचले इलाके में रहने वाले गरीब बाढ़ का शिकार होते हैं। गर्मी होती है तो वे लू से मारे जाते हैं। साधनविहीन लोग ही मौसम के चरम का शिकार होते हैं। कायदे से मौसम नहीं, गरीबी मारती है। लेकिन सवाल उठता है कि जनकल्याण के सिद्धांतों पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था में क्या सत्ताधीशों का दायित्व नहीं बनता कि वे राजनीतिक तमाशों से इतर अपनी जनता का ध्यान रखें? एक समय था कि राजा-महाराजा अपनी प्रजा का खुद ख्याल रखते थे। चौराहों पर अलाव जलाने की व्यवस्था होती थी। संवेदनशील राजा बाकायदा वेष बदलकर प्रजा के दुख-दर्द जानने निकलते थे। लेकिन ज्यों-ज्यों लोकतंत्र शिक्षित-विकसित होता गया, सत्ताधीशों की संवदेनशीलता कुंद होती चली गई। तभी शीत ऋतु की दस्तक के साथ ही अदालतों को सरकारों को अपना मूलभूत दायित्व याद दिलाना पड़ता है। बीते वीरवार को भी देश की शीर्ष अदालत ने दिल्ली के शहरी आश्रय बोर्ड यानी डीएएसआईबी को तलब किया कि दिल्ली में फिलहाल कितने आश्रयगृह हैं और वहां कितने लोगों को ठहराया जा सकता है। साथ ही आंकड़ा देने को कहा कि कितने लोग ऐसे हैं जिन्हें आश्रय की जरूरत है। निश्चित रूप से कड़ाके की ठंड में बीमार, लावारिस और मानसिक रूप से परेशान लोगों को संरक्षण देना प्रथम मानवीय कर्तव्य है। वैसे, अदालत की यह बात तो दिल्ली को लेकर है, लेकिन ऐसे प्रयास पूरे देश में होने चाहिए। कहने को तो राज्यों में स्थानीय निकाय भी रैन बसेरे तैयार करते हैं। लेकिन वे न तो पर्याप्त होते हैं और न ही उनमें पूरी सुविधाएं होती है। रैन बसेरे बना भी लिए जाएं तो वहां सफाई का खास ध्यान नहीं रखा जाता। नशेड़ियों और अपराधियों की सक्रियता से बेसहारा लोग यहां आने से कतराते हैं। निश्चित रूप से रेन बसेरे बनाया जाना सार्थक कदम है, लेकिन उनमें सुविधाओं, सुरक्षा और सफाई को प्राथमिकता के आधार पर देखा जाना चाहिए। इन्हें गंदगी, अराजकता व असुरक्षा से बचाने के लिये स्वयं सेवी संगठनों की सक्रियता की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। कायदे से ये दायित्व सरकारी एजेंसियों का होना चाहिए, लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आता। दरअसल, केंद्र व राज्य सरकारों को निराश्रित लोगों के लिए मौसम के चरम आने पर एक स्थायी ढांचा उपलब्ध कराना चाहिए। जिसे तुरत-फुरत तैयार करके बेसहारा लोगों के लिये उपलब्ध कराया जाए। यूं तो देश में सामाजिक, व धार्मिक संगठन भी रेन बसेरा बनाते हैं,लेकिन यह सिर्फ खबरों की सुर्खियों में आने का जरिया मात्र नहीं होना चाहिए। यह सही मायनों में बेघरों का आश्रय होना चाहिए। साथ ही इनकी सुविधाओं की निगरानी निरंतर होनी चाहिए। दरअसल, इनके उद्घाटन समारोहों का जिस जोर-शोर से प्रचार किया जाता है, वैसा ध्यान इनके निरंतर सुचारु रूप से संचालन में नहीं होता। आज हर घर में ठंड से बचाव का अतिरिक्त सामान होता है। ऐसे ही हर व्यक्ति को मानवता के नाते जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए।

शख्सियत | जदुनाथ सरकार

भारतीय इतिहास के महान शोधकर्ता

जदुनाथ सरकार का जन्म 10 दिसंबर 1887 को हुआ था और उनका निधन 19 मई 1958 को हुआ। वे भारतीय इतिहासकार, विद्वान और मुग़ल साम्राज्य के इतिहास के गहरे जानकार थे। उनका कार्य भारतीय इतिहास लेखन में एक नई दिशा प्रदान करने वाला था। विशेष रूप से, उन्होंने मुग़ल साम्राज्य के इतिहास पर जो काम किया, वह आज भी ऐतिहासिक शोध में महत्वपूर्ण माना जाता है।

सरकार ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सेंट ज़ेवियर कॉलेज, कोलकाता से प्राप्त की और फिर कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री ली। उनका इतिहास के प्रति गहरा लगाव था और उन्होंने भारतीय इतिहास को एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने की कोशिश की। उन्होंने अपनी कृतियों में ऐतिहासिक तथ्यों को प्रमाणिक रूप से प्रस्तुत किया और ऐतिहासिक घटनाओं का गहन विश्लेषण किया। उनकी प्रमुख कृतियाँ The Fall of the Mughal Empire और History of Aurangzeb हैं। इन किताबों में उन्होंने मुग़ल सम्राटों की नीतियों और साम्राज्य के पतन की प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की। जदुनाथ सरकार का इतिहास लेखन सिर्फ घटनाओं का विवरण नहीं था, बल्कि वे उन घटनाओं के पीछे की सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिस्थितियों का भी गहन विश्लेषण करते थे। उनके लेखन की विशेषता यह थी कि उन्होंने भारतीय इतिहास को एक नयी दृष्टि से देखा। उनके द्वारा प्रस्तुत तथ्यों की बारीकी और वस्तुपरकता ने उन्हें एक प्रतिष्ठित स्थान दिलवाया।

उनका इतिहास लेखन न केवल मुग़ल साम्राज्य तक सीमित था, बल्कि उन्होंने भारतीय समाज और संस्कृति की जटिलताओं को भी उजागर किया। उनके विचारों ने भारतीय इतिहासकारों के लिए एक आदर्श स्थापित किया। वे भारतीय इतिहास में शोध की गहराई और प्रमाणिकता को लेकर समर्पित थे और उनकी कृतियाँ आज भी भारतीय इतिहास के अध्ययन में एक महत्वपूर्ण संदर्भ के रूप में मानी जाती हैं।

जदुनाथ सरकार का योगदान भारतीय इतिहास लेखन में अमूल्य है। उनके द्वारा किए गए शोध और उनके दृष्टिकोण ने भारतीय इतिहास की समझ को व्यापक बनाया और इतिहासकारों के लिए एक नया मार्ग प्रशस्त किया। उनका कार्य भारतीय इतिहास में एक मील का पत्थर है और उनके विचार आज भी भारतीय इतिहासकारों को प्रेरित करते हैं।

धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत पर अपेक्षित कूटनीतिक संयम

ज्योति मल्होत्रा

विदेश मामलों पर सलाह करने के वास्ते विदेश मंत्रालय के सचिव विक्रम मिसरी का बांग्लादेश की यात्रा पर जाना सही वक्त पर है। बांग्लादेश द्वारा इस्कॉन से जुड़े हिंदू साधु चिन्मय कृष्ण दास को कथित देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार करना और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विवादित टिप्पणियों के परिप्रेक्ष्य में, जब वे मुगल सुल्तान बाबर द्वारा अयोध्या, संभल और आज के बांग्लादेश में मंदिरों को तोड़ने के पीछे की वजह 'एक ही डीएनए' होना ठहरा रहे हैं, यह कहना उचित होगा कि एक-दूसरे के सांप्रदायिक उन्माद का पोषण करने वाले कीटाणु भारत और बांग्लादेश, दोनों जगह, कुछ हिस्सों में जीवित और अच्छे-खासे मौजूद हैं। आदित्यनाथ की टिप्पणी जरा भी अनोखी नहीं है। आरएसएस ने हाल ही में भारत की सरकार से आह्वान किया था कि वह बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों को रुकवाए, जबकि पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने तो यहां तक धमकी दे डाली कि यदि मुहम्मद यूनुस की सरकार हिंदुओं पर हमला करना बंद नहीं करती है तो व्यापारिक प्रतिबंध लगा दिए जाएं। ऐसी टिप्पणी करने वाले आदित्यनाथ भाजपा के पहले बड़े नेता नहीं हैं। साल 2018 में, तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह ने भारत में बांग्लादेशी प्रवासियों को 'दीमक' ठहराया था और वादा किया था कि उनमें से प्रत्येक का नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा। यह बात अलग है कि खुद असम सरकार ने अगस्त माह में स्वीकार किया है कि 1971 और 2014 के बीच असम में रह रहे 'विदेशियों' में 43 प्रतिशत (20,613/47,928) वास्तव में हिंदू हैं।

शाह की अकूटनीतिक टिप्पणी शायद पूरी तरह से दीर्घकालीन ध्येय की प्राप्ति के वास्ते थी और यह प्रमाण है रणनीतिक असंवेदनशीलता के साथ हिंदुत्व की राजनीति के अस्वस्थ घालमेल का, खासकर जब मामला भारत के सबसे महत्वपूर्ण पड़ोस का हो। उस समय, विदेश मंत्रालय ने अपनी चुप्पी साधे रखी, लेकिन तत्कालीन बांग्लादेशी प्रधान मंत्री शेख हसीना को यह समझाने में बहुत मशक्कत करनी पड़ी कि उन्हें किसी राजनेता की टिप्पणियों को व्यक्तिगत रूप से नहीं लेना चाहिए। उस समय, प्रधानमंत्री मोदी अपने पूर्वी पड़ोसियों के साथ भारत के संबंध सुधारने में पूरी तरह से जुटे हुए थे- और शाह की टिप्पणियों ने इसे करारा झटका दिया। मोदी भली भांति समझते हैं कि किसी अन्य राष्ट्र के मुकाबले बांग्लादेश निश्चित रूप से बहुत महत्वपूर्ण है, इतना कि उसे किसी भी समय हल्के में नहीं लिया जा सकता। यही कारण है कि मिसरी की ढाका यात्रा इतनी महत्वपूर्ण बन गई है। अगस्त की शुरुआत में, जब से हसीना जान बचाकर दिल्ली पहुंची हैं, तब से द्विपक्षीय संबंधों में गिरावट आई है। कई मुद्दों पर दोनों मुल्कों में ठनी हुई है, जिसमें एक यह भी शामिल है कि तथाकथित क्रांति को हिंसा के चरम पर क्यों पहुंचने दिया गया, जिसकी नाटकीय परिणति हसीना के फ्लाइट लेकर सुरक्षित देश से बाहर निकलने के रूप में हुई। उधर, बांग्लादेश का मानना है कि भारत जानबूझकर देश की अधोगति में हसीना की प्रमुख भूमिका को समझने से इंकार कर रहा है, इधर भारत यह समझने में असमर्थ है कि बांग्लादेश आज जानबूझकर मुजीब-उर-रहमान जैसी महान शख्सियत की स्मृति को क्यों मिटाना चाहता है और उन्हें इतिहास के अपमानजनक कूड़ेदान के हवाले करने में क्यों लगा है। बेशक, समस्या कहीं अधिक जटिल है। इस मामले में जब बांग्लादेश द्वारा आदित्यनाथ और शाह को सत्तारूढ़ पार्टी के प्रवक्ता के रूप में देखा जाए, और जब भारत सरकार सार्वजनिक रूप से इनकी निंदा करने से इनकार कर दे या निजी तौर पर उन्हें ऐसे बयान देने से परहेज करने के लिए न कहे, तो रार बढ़नी स्वाभाविक है और अकसर खुद-ब-खुद यह और गहरी होती जाती है। बदतर यह कि भारतीय राजनेता अपने बांग्लादेशी समकक्षों पर वही करने का आरोप लगा रहे हैं जो वे खुद अक्सर अपने देश में करते हैं – उदाहरण के लिए, आदित्यनाथ के 'बुलडोजर न्याय' का मतलब अधिकांशतः यह निकलता है कि हिंदुओं के घरों की तुलना में मुसलमानों के मकानों को ज्यादा अनुपात में ढहाना – या जब भारतीय राजनेता खुलेआम शेष विवादित पूजा स्थलों की तथाकथित 'वापसी' का आह्वान करते हैं, उदाहरणार्थ, वाराणसी और मथुरा में, भले ही यह करना पूजा स्थल अधिनियम, 1991 का उल्लंघन हो, ऐसे काम बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों में सांप्रदायिक राजनीति को मंजूरी देने जैसे हैं। धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के तौर पर भारत और बाकी पड़ोसी मुल्कों के बीच का अंतर दशकों से स्पष्ट रूप से देखा जा सकता था- वास्तव में, पास-पड़ोस भी अक्सर भारत की लोकतांत्रिक संवेदनशीलता को एक आदर्श के रूप में लेता रहा है। अब कौन यह मानेगा कि तमाम विभिन्न राजनीतिक धारा के भारतीयों ने कभी अपने अल्पसंख्यकों से प्रतिशोध न लिया हो या इन अल्पसंख्यकों को न्याय से वंचित न किया हो, जबकि अक्सर लंबे समय तक – कांग्रेस और भाजपा, दोनों पर ही, दंगे भड़काने के दोष लगते रहे हैं। अंतर यह है कि भारत की न्यायपालिका ने ज्यादातर सत्ता को आईना दिखाया है। लोकतंत्र सिर्फ़ एक शब्द भर से अधिक रहा। यहां तक कि जब कभी समझौता काफी बढ़िया ढंग से सिरे चढ़ा, जैसा कि राम जन्मभूमि विवाद में हुआ, और 2019 में सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता से बने फ़ैसले से यह विवाद समाप्त हुआ – जिसमें मुस्लिम पक्ष ने गर्भगृह की अचल संपत्ति पर अपना दावा छोड़ दिया, जिस पर एक समय 1529 में राम मंदिर को गिराकर उस पर बाबर के एक सेनापति ने बाबरी मस्जिद का निर्माण करवाया था – तो उम्मीद थी कि हिंदू पक्ष इस पर अपनी छाती नहीं ठोकेगा और जीत का बखान नहीं करेगा।

जीवन मंत्र

जे कृष्णमूर्ति

मृत्यु भी एक घटना है

यदि आप पुनर्जन्म में विश्वास करते हैं, जैसा कि पूरा एशिया करता है, मुझे नहीं पता कि वे ऐसा क्यों करते हैं, पर इससे उन्हें बहुत आसानी होती है।

हमें जीवन की इस अहम घटना को भी समझना चाहिए, जो है मृत्यु! बुढ़ापा, बीमारी के कारण आकस्मिक या स्वाभाविक रूप से मृत्यु। हम जब बूढे.हो जाते हैं, तो उम्र हमारे जीवन जीने के तरीके से पता चलती है; वह हमारे चेहरे पर दिखाई देती है। गौर कीजिएगा, जैसे-जैसे हम बडे. होते जाते हैं, हम असंवेदनशील, सुस्त, अनजान होते जाते हैं और एक दिन कब्र में समा जाते हैं। तो हम सबके जीवन में बुढ़ापा भी है और मृत्यु नाम की एक असाधारण चीज भी। हममें से ज्यादातर इससे भयानक रूप से भयभीत रहते हैं। यदि हम भयभीत नहीं, तो हमने इस घटना को बौद्धिक रूप से तर्कसंगत बना लिया है और बुद्धि के आदेशों को स्वीकार कर लिया है। तब हम इसे स्वाभाविक रूप से स्वीकार कर लेते हैं, क्योंकि हम हरेक चीज को नष्ट होते देखते हैं। मगर जिसे हम स्वीकार नहीं कर पाते, वह है 'मैं' का मनोवैज्ञानिक अंत- अपने परिवार के साथ, घर के साथ, अपनी सफलता के साथ! मैं, आत्मा या वे शब्द, जो हम अपने अस्तित्व के केंद्र को देते हैं, हमें डर होता है कि इसका अंत हो जाएगा। क्या इसका अंत हो जाता है? या इसमें कोई निरंतरता है?

पूरब ने कहा है कि इसमें निरंतरता है, इसलिए पुनर्जन्म है। अगर आपने सही ढंग से यह जीवन जिया है, तो आपका अगला जन्म बेहतर होगा। आपके पास यहां पुनरुत्थान का एक नया तरीका होता है- आप सब जानते होते हैं। यदि आप पुनर्जन्म में विश्वास करते हैं, जैसा कि पूरा एशिया करता है, मुझे नहीं पता कि वे ऐसा क्यों करते हैं, पर इससे उन्हें बहुत आसानी होती है। यदि आप इसे बहुत करीब से देखें, तो पाएंगे कि आप जो कुछ भी हर दिन करते हैं, वह बहुत मायने रखता है, क्योंकि अगले जीवन में आप उसकी कीमत चुकाने जा रहे हैं या आप जिस तरह से जिए, उसके लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा। इसलिए महत्वपूर्ण बात यह नहीं है कि आप क्या मानते हैं कि अगले जीवन में क्या होगा, बल्कि खास बात यह है कि इस जन्म में आप कैसे रहते हैं? महत्वपूर्ण यह नहीं है कि आपकी मान्यताएं क्या हैं, आपका अंधविश्वास क्या है, आपकी उपलब्धियां क्या हैं, बल्कि अहम यह है कि आप क्या करते हैं। हमें डर है कि केंद्र, जिसे 'मैं' कहा जाता है, खत्म न हो जाए; और हम पूछते हैं- क्या इसका अंत हो जाएगा?

...याद रखिए, जो समाप्त हो जाता है, उसमें ही कुछ नया हो सकता है। प्रेम में आसक्ति नहीं होती। जहां आसक्ति होती है, वहां पर भय होता है और डर अनिवार्य रूप से सत्तावादी, अधिकारवादी, दमनकारी बन हावी हो जाता है। तो ध्यान जीवन की समझ है, जो व्यवस्था लाने के लिए है।

जीवन ऊर्जा

जियोवानी बैटीस्ता ग्वारीनी:जन्म 10 दिसम्बर 1538 | जन्म

जियोवानी बैटीस्ता ग्वारीनी का जन्म 10 दिसम्बर 1538 को इटली में हुआ और उनका निधन 8 मार्च 1612 को हुआ। वे एक प्रसिद्ध कवि, नाटककार, और दरबारी थे, जिन्होंने अपनी काव्य रचनाओं और नाटकों के माध्यम से प्रेम, कला और मानव भावना के गहरे पहलुओं को उजागर किया। ग्वारीनी का प्रमुख कार्य ' Pastor Fido' है, जो एक pastoral नाटक था और इसे साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियों में गिना जाता है।

धैर्य रखना, सहना और क्षमा करना प्रेम का स्वभाव है

प्रेम हमारे अस्तित्व का सार है, और इसकी खोज ही जीवन का अंतिम लक्ष्य है। प्रेम के बिना आत्मा, जीवन के बिना शरीर की तरह है। प्रेमी तर्क का गुलाम नहीं होता, बल्कि हृदय का अनुसरण करता है। आनंद के बिना कोई नहीं रह सकता, क्योंकि आनंद आत्मा का सच्चा प्रकाश है। सुंदरता में, हम ब्रह्मांड की सद्भावना पाते हैं। दिल अक्सर वह जानता है जो दिमाग नहीं समझ सकता। सबसे बड़ा सुख वह है जो अनकहा हो। धैर्य रखना, सहना और क्षमा करना प्रेम का स्वभाव है। सच्चा प्रेम प्रशंसा से पैदा होता है और सम्मान से पोषित होता है। सबसे मधुर जीत वह होती है जो सम्मान के साथ जीती जाती है। हम समय के क्षणभंगुर क्षणों में छाया मात्र हैं। शब्द आत्मा का संगीत हैं; वे या तो शांत कर सकते हैं या पीड़ा दे सकते हैं। कला केवल जीवन की नकल नहीं है, बल्कि आत्मा का प्रतिबिंब है। संघर्ष के बिना, कोई सच्चा समाधान नहीं है। सुंदरता केवल दिखाई नहीं देती, बल्कि हृदय की गहराई में महसूस की जाती है। प्यार, एक बार जल जाने के बाद, कभी नहीं मिटता। एक कवि का काम जीवन की क्षणभंगुर सुंदरता को कैद करना है। जो आंखें नहीं देखतीं, दिल अक्सर उसे जान लेता है। बुद्धि वह प्रकाश है जो अंधेरे में दिल का मार्गदर्शन करता है। प्यार के बिना जीवन फूलों के बिना बगीचे की तरह है। जीवन में हर जीत दिल की जीत है। आशा मुश्किल समय में आत्मा का सहारा है। कला हमें सामान्य से परे जाकर दिव्य को छूने की अनुमति देती है। सबसे सुंदर गीत वे हैं जो दिल से गाए जाते हैं। हार में भी, लड़ाई में सुंदरता होती है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

भक्ति, ज्ञान और कर्म से ईश्वर का सानिध्य प्राप्त करें

एक गांव में मेला लगा था। एक व्यक्ति उनके तीन पुत्रो को लेकर मेला दिखाने जा रहा था। बारह साल का लड़का आगे आगे चल रहा था, पांच साल के लड़के का हाथ उनके पिता ने पकड़ रखा था और एक साल के छोटे लड़के को अपने सीने से लगाया हुआ था। मेले में बहुत ही भीड़ थी सोचो, अगर कोई घटना घटी ओर मेले में भगदड़ मची तो क्या हो सकता है। आगे-आगे अकेला चलने वाला युवा लड़का बिछड़ सकता है। हाथ पकड़ के चल रहा लड़का भीड़ की भगदड़ में घायल हो सकता है। पर जो सीने से लगाया छोटा है वो पूर्ण सुरक्षित है। सिर्फ ज्ञान की उपासना बड़ा लड़का है, सिर्फ कर्मयोगी पांच साल का लड़का है और भक्ति में समर्पित वो एक साल का बच्चा है, जिन्हें भगवान ने अपने सीने से लगाया है । ये जीवन भी एक मेला ही है अभिमान रहित भक्ति करते करते छोटे बालक बनकर सम्पूर्ण ईश्वर को समर्पित हो जाना है। तब ईश्वर आपको मिलने सिने से लगाने के लिए दौड़े आते है। ईश्वर की बनाई इस सृष्टि के जीवमात्र के लिए जब दया भाव होगा और दान पुण्य सद्कर्म करेंगे, तो ईश्वर के प्रिय बन जाएंगे। सृष्टि का सर्जनहार परमपिता निर्गुण ब्रह्म मेरे अंदर ही है मेरे मे ही बसते है। मैं उनका ही अंश हूं।

ये भाव हो जाना ही सद्ज्ञान है। अनेक समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए हम पूजा अनुष्ठान करते है। पर एक बार सत्य का स्वीकार कर ले कि पूर्व जन्मों के संचित कर्मफल अनुसार ही इस जन्म का प्रारब्ध बना है, जो है वो मुझे सहर्ष स्वीकार है। पर अब है प्रभु मेरा जीवन आपको समर्पित करता हूँ अब जो स्थिति दे मुझे स्वीकार्य है और पूर्ण श्रद्धापूर्वक निष्काम भक्ति करके देखिए। ईश्वर क्या क्या देता है? गीताजी में स्वयं भगवान श्री कृष्ण के मुख से निकले ये वचन है कि जब तुम मुझे समर्पित हो जाते हो तब में जो देता हूँ वो शाश्वत होता है। धन, सम्पति, वंश, आरोग्य सुख, सत्ता भोग ये सब न केवल एक जन्म के लिए पर अनंतकाल तक शाश्वत सुख देता हूँ। बालक जैसे सरल हृदय से निष्काम भक्ति और वो भी संशय रहित हो तो हर डगर हर पथ पर उनके दर्शन होते ही रहते है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

सफलता चाहते हो, तो व्यर्थ सुनना बंद करो

एक बार दो मेंढक सुबह-सुबह भोजन की तलाश में इधर-उधर घूम रहे थे। घूमते-घूमते उनमें से एक गहरे गड्ढे में गिर गया। दूसरे मेंढक ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन उसे बचाने के चक्कर में वह भी उसी गड्ढे में जा गिरा। धीरे-धीरे उस गड्ढे के आस-पास अन्य जीव-जन्तु आकर इकट्ठा होने लगे लेकिन कोई भी उन्हें बचाने का प्रयत्न नहीं कर रहा था बल्कि सभी अलग-अलग तरह के निर्देश दे रहे थे। उन दोनों में से एक तो जैसा अन्य प्राणी कह रहे थे वैसा ही कर रहा था लेकिन दूसरा अन्य प्राणी के कहे अनुसार न करके अपने हिसाब से ही अपनी कोशिश को जारी रखे हुए था और थोड़ी ही देर में वह जैसे-तैसे बाहर आने में कामयाब हो गया। लेकिन गड्ढे से बाहर निकलते ही वह तेजी से जंगल की ओर भाग गया। जिसे देख अन्य जीव-जन्तु उसके खिलाफ तरह-तरह की बातें करने लगे। इस दौरान काफी मशक्कत करने और अन्य जीवों द्वारा बताए गए तरह-तरह के तरीके अपनाने के बावजूद वह दूसरा मेंढक गड्ढे से बाहर नहीं निकल पाया। लेकिन थोडी ही देर बाद वह दूसरा मेंढक फिर से लौटा लेकिन इस बार उसके पास रस्सी जैसा कुछ था। उस रस्सी के सहारे वह बड़ी आसानी से उस गड्ढे से बाहर आ गया। इसलिए जान लें कि जो दूसरों की बातें सुनकर और मानकर अपने निर्णय लेते हैं वे कभी भी अपनी मुश्किलों को पार नहीं कर पाते। लेकिन जो लोग अपने निर्णय पर अडिग रहते हैं वे मुश्किल में दूसरों की सहायता करने में सक्षम होते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

द ग्रेट वुमन

नीलम रामअवध

इस लेख में हम उन महिलाओं के बारे में बताएंगे, जिन्होंने कई उपलब्धियां हासिल कर समाज के लिए अपना अहम योगदान दिया है। ये उन सभी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं जो अकेले अपने दम पर अपने सपने को पूरा करना चाहती हैं।

रेणु साइकिया

लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता

जन्म: 10 दिसंबर 1934, श्रीपुरिया, तिनसुकिया
मृत्यु: 17 नवंबर 2011, बोरपोथर

रेणु साइकिया एक प्रसिद्ध भारतीय लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वे असम राज्य से हैं और उनकी रचनाएं असमिया साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करती हैं। रेणु की लेखनी में समाज की जटिलताओं, महिलाओं के अधिकारों और असमिया संस्कृति की गहरी समझ दिखाई देती है। उनकी कहानियाँ और कविताएं समाज के विभिन्न पहलुओं को उजागर करती हैं, जिनमें संघर्ष, समानता और प्रेम की कहानियां शामिल हैं। उन्होंने असम में महिलाओं की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कई कार्य किए हैं। उनका लेखन आज भी पाठकों को प्रेरित करता है और असमिया साहित्य में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।
खेलों में भारत का नाम रोशन करना है, और वह इसके लिए लगातार अभ्यास कर रही हैं।

गीता फोगाट

प्रसिद्ध महिला पहलवान

जन्म: 15 दिसंबर 1988,
बलाली, हरियाणा

गीता फोगाट भारत की प्रसिद्ध महिला पहलवान हैं, जिन्होंने कुश्ती में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं। गीता को उनके पिता महावीर सिंह फोगाट ने प्रशिक्षित किया, जिन्होंने सामाजिक रूढ़ियों और विरोधों के बावजूद अपनी बेटियों को पहलवानी में आगे बढ़ाया। गीता ने 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर भारत की पहली महिला पहलवान बनने का गौरव प्राप्त किया। वह ओलंपिक में क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान भी हैं। उनकी जीवन कहानी ने देशभर की लड़कियों को प्रेरित किया और इसे फिल्म ₹दंगलर₹ में प्रस्तुत किया गया। गीता की शादी पहलवान पवन कुमार से हुई और वे आज भी कुश्ती के माध्यम से समाज में प्रेरणा का स्रोत बनी हुई हैं।

रेखा दोशीत

भारत की एक प्रमुख न्यायधीश

जन्म: 13 दिसंबर 1952,
राजकोट, गुजरात

रेखा दोशीत भारत की एक प्रमुख न्यायधीश हैं, जो अपनी न्यायिक यात्रा में उत्कृष्टता के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपनी शिक्षा भारतीय न्यायिक प्रणाली में एक मजबूत नींव बनाने के लिए की थी। रेखा दोशीत का करियर न्यायिक क्षेत्र में लंबे समय तक प्रभावी रहा और उन्होंने कई महत्वपूर्ण मामलों में फैसले दिए। उनका कार्य भारतीय न्यायपालिका की निष्पक्षता और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में योगदानकारी रहा है। रेखा दोशीत को उनकी न्यायिक क्षमता और निर्णयों के लिए व्यापक रूप से सम्मानित किया गया है। उनके कार्यों ने न केवल कानूनी प्रणाली को आकार दिया, बल्कि उन्होंने समाज में न्याय के प्रति विश्वास भी मजबूत किया है।

उषा मंगेशकर

प्रख्यात पार्श्व गायिका

जन्म:- 15 दिसंबर 1935,
इंदौर, मध्यप्रदेश

उषा मंगेशकर, भारतीय सिनेमा की प्रख्यात पार्श्व गायिका हैं। वे मंगेशकर परिवार की सदस्य और प्रसिद्ध गायिका लता मंगेशकर की छोटी बहन हैं। उन्होंने हिंदी, मराठी, गुजराती, और बंगाली सहित कई भाषाओं में गाने गाए हैं। उनकी आवाज़ को विशेष पहचान ₹जय संतोषी माँ₹ फिल्म के गीतों से मिली, जिसमें ₹मैं तो आरती उतारूं रे संतोषी माता की₹ बेहद लोकप्रिय हुआ।
उषा मंगेशकर ने अपने लंबे करियर में पारंपरिक और भक्ति गीतों से लेकर पॉप और फिल्मी गानों तक, विभिन्न प्रकार के गीतों में योगदान दिया। उनकी मधुर आवाज़ ने उन्हें भारतीय संगीत जगत में विशेष स्थान दिलाया।

डिल्मा रूसेफ

ब्राज़ील की पहली महिला राष्ट्रपति

जन्म:-14 दिसंबर, 1947, ब्राजील

डिल्मा रूसेफ एक ब्राज़ीलियाई अर्थशास्त्री और राजनीतिज्ञ हैं, जिन्होंने ब्राज़ील की पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में इतिहास रचा। उन्होंने 2011 से 2016 तक दो कार्यकाल पूरे किए। वर्कर्स पार्टी की एक प्रमुख सदस्य, रूसेफ खान और ऊर्जा मंत्री (2003-2005) और राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा (2005-2010) के चीफ ऑफ़ स्टाफ़ के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान ब्राज़ील की ऊर्जा नीतियों को आकार देने में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थीं। उनके राष्ट्रपति पद का ध्यान सामाजिक कार्यक्रमों, आर्थिक विकास और गरीबी को कम करने पर केंद्रित था। हालाँकि, उनके प्रशासन को आर्थिक गिरावट और राजनीतिक विवादों के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसकी परिणति 2016 में उनके महाभियोग के रूप में हुई।

वेद कुमारी घई

प्रसिद्ध संस्कृत विदुषी और शिक्षिका

जन्म: 16 दिसंबर 1931, प्रतापगढ़ मोहल्ला, जम्मू

वेद कुमारी घई एक प्रसिद्ध भारतीय संस्कृत विदुषी और शिक्षिका हैं। उनका जन्म जम्मू में हुआ और उन्होंने अपनी शिक्षा कश्मीर विश्वविद्यालय से प्राप्त की। वे संस्कृत भाषा और साहित्य में विशेषज्ञता रखती हैं। डॉ. घई ने जम्मू विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग की अध्यक्ष के रूप में सेवा दी और भारतीय संस्कृति और भाषा को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी विद्वता के लिए उन्हें कई सम्मान मिले हैं, जिनमें प्रतिष्ठित पद्मश्री (2014) शामिल है। वे संस्कृत भाषा के संरक्षण और प्रचार में अग्रणी रही हैं और नई पीढ़ी को इस प्राचीन भाषा से जोड़ने के लिए समर्पित हैं। उनके योगदान ने भारतीय साहित्य को एक नई दिशा दी है।

सर्दियों में चुने सही सनस्क्रीन

सर्दियों की ठंडी धूप का एहसास भले ही सुखद लगे, लेकिन यह भी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। ज्यादातर लोग सोचते हैं कि सनस्क्रीन सिर्फ गर्मियों में ही जरूरी है, लेकिन सर्दियों में भी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने की जरूरत होती है। ठंड के मौसम में UV किरणें भी त्वचा पर असर डालती हैं, जिससे टैनिंग, झुर्रियां और समय से पहले बुढ़ापा आ सकता है। सही सनस्क्रीन का चुनाव आपकी त्वचा को न सिर्फ सूरज की किरणों से बचाता है, बल्कि सर्दियों की रूखापन भी दूर करता है। आइए, जानें अपनी त्वचा के अनुसार सही सनस्क्रीन कैसे चुनें। सर्दियों की हल्की धूप भले ही अच्छी लगती हो, लेकिन यह भी आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए, सनस्क्रीन लगाना केवल गर्मियों तक सीमित नहीं है। सर्दियों में भी इसे इस्तेमाल करना जरूरी है। लेकिन सवाल ये है कि अपनी त्वचा के अनुसार सही सनस्क्रीन कैसे चुनें? आइए जानते हैं।

▸▸ सामान्य त्वचा के लिए

अगर आपकी त्वचा न ज्यादा तैलीय है और न ही ज्यादा रूखी, तो आपके लिए क्रीम-बेस्ड सनस्क्रीन सबसे अच्छा रहेगा। SPF 30 से 50 के बीच का सनस्क्रीन लें, जो आपकी त्वचा को धूप से बचाने के साथ-साथ मॉइश्चराइज भी करे।

▸▸ तैलीय त्वचा के लिए

अगर आपकी त्वचा तैलीय है, तो जेल-बेस्ड या मैट फिनिश सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। ये त्वचा को चिपचिपा नहीं बनाते और पोर्स को ब्लॉक नहीं करते। ऐसा सनस्क्रीन लें जिसमें SPF 30 या उससे अधिक हो।

▸▸ रूखी त्वचा के लिए

रूखी त्वचा को सर्दियों में खास देखभाल की जरूरत होती है। इसके लिए मॉइश्चराइजिंग सनस्क्रीन सबसे सही रहेगा। ऐसा सनस्क्रीन चुनें जिसमें विटामिन E और हायल्यूरोनिक एसिड हो। SPF 30 वाला सनस्क्रीन रोजाना इस्तेमाल करें।

▸▸ संवेदनशील त्वचा के लिए

अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो ऐसे सनस्क्रीन का चयन करें जिसमें मिनरल बेस (जैसे जिंक ऑक्साइड या टाइटेनियम डाइऑक्साइड) हो। ये त्वचा को नुकसान पहुंचाए बिना सुरक्षा प्रदान करते हैं।

▸▸ सर्दियों के लिए कुछ खास टिप्स

सनस्क्रीन को बाहर जाने से 15-20 मिनट पहले लगाएं।
हर 3-4 घंटे में सनस्क्रीन दोबारा लगाएं।
हो सके तो धूप में ज्यादा देर न रहें।
होंठों को सुरक्षित रखने के लिए SPF युक्त लिप बाम का इस्तेमाल करें।

लिपस्टिक को लंबे समय तक रखें बरकरार

लिपस्टिक हर महिला की खूबसूरती में चार चांद लगाती है। लेकिन दिनभर इसे टिकाए रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता। चाहे शादी, पार्टी हो या ऑफिस का कोई इवेंट, हर किसी की ख्वाहिश होती है कि उनकी लिपस्टिक फीकी न पड़े और पूरे दिन ताजा लगे। बार-बार लिपस्टिक लगाने से न केवल समय खराब होता है, बल्कि इसका असर मेकअप पर भी पड़ता है। लेकिन सही तरीके और कुछ आसान टिप्स अपनाकर आप अपनी लिपस्टिक को लंबे समय तक बनाए रख सकती हैं। आइए जानें, लिपस्टिक को टिकाऊ और परफेक्ट लुक के लिए क्या करना चाहिए।

लिपस्टिक लंबे समय तक बनाए रखने के तरीके

1. लिप्स को करें तैयार

सबसे पहले होंठों को अच्छे से साफ करें। इसके बाद हल्का स्क्रब करें ताकि डेड स्किन हट जाए। होंठों को मॉइश्चराइज करना न भूलें। इसके लिए लिप बाम लगाएं और 5 मिनट बाद टिश्यू से हल्के से पोंछ लें।

2. लिप प्राइमर का इस्तेमाल करें

लिपस्टिक लगाने से पहले लिप प्राइमर लगाएं। यह लिपस्टिक को बेहतर तरीके से सेट करता है और लंबे समय तक टिकने में मदद करता है।

3. लिप लाइनर का इस्तेमाल करें

लिपस्टिक से मेल खाता हुआ लिप लाइनर लगाएं। यह लिपस्टिक को फैलने से रोकता है और होंठों को खूबसूरत आकार देता है।

4. मैट लिपस्टिक चुनें

मैट फिनिश लिपस्टिक क्रीमी या ग्लॉसी लिपस्टिक के मुकाबले ज्यादा देर तक टिकती है। इसे लगाने के बाद आपको बार-बार टच-अप की जरूरत नहीं पड़ती।

5. पहली परत को सेट करें

लिपस्टिक की एक परत लगाने के बाद टिश्यू पेपर को हल्के से दबाकर एक्स्ट्रा लिपस्टिक हटा दें। फिर पाउडर लगाएं और दूसरी परत लगाएं। यह लिपस्टिक को ज्यादा टिकाऊ बनाता है।

6. टच-अप के लिए तैयार रहें

अगर पूरे दिन बाहर रहना है, तो अपनी लिपस्टिक और लिप बाम साथ रखें। हल्का टच-अप लिपस्टिक को फ्रेश लुक देगा।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष — निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। बिगड़े काम बनेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा।

वृष — धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन — वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं।

कर्क — वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी।

सिंह — स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

कन्या — किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

तुला — आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है।

वृश्चिक — आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी।

धनु — जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। विवाद न करें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर — कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा।

कुंभ — आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी।

मीन — यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में उत्साह से काम कर पाएंगे।

जन्म के विवरण बिना यूं जानें अपना भविष्य

कई व्यक्तियों के पास अपना जन्म विवरण नहीं होता है तब उनका हाथ देखकर उनके आने वाले समय के बारे में बताया जा सकता है। हाथों की लकीरों में ही इंसान के जीवन-मरण का सारा रहस्य छुपा होता है। हथेली में सामान्यतः मुख्य रूप से तीन रेखाएं दिखाई देती हैं। ये तीन रेखाएं जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा और हृदय रेखा है। हम आपको जीवन रेखा के विषय मे सामान्य जानकारी दे रहे है । लंबी आयु- हस्तरेखा ज्योतिष में बताया गया है कि लंबी, गहरी, पतली और साफ जीवन रेखा शुभ होती है। जीवन रेखा पर क्रॉस का चिह्न अशुभ होता है। यदि जीवन रेखा शुभ है तो व्यक्ति की आयु लंबी होती है और उसका स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। स्वतंत्र विचार- यदि मस्तिष्क रेखा (मस्तिष्क रेखा और जीवन रेखा लगभग एक ही स्थान से प्रारंभ होती है) और जीवन रेखा के मध्य थोड़ा अंतर हो तो व्यक्ति स्वतंत्र विचारों वाला होता है। सोच-विचार- यदि मस्तिष्क रेखा और जीवन रेखा के मध्य अधिक अंतर हो तो व्यक्ति बिना सोच-विचार के कार्य करने वाला होता है। कष्ट, गंभीर बीमारी- यदि जीवन रेखा बाएं हाथ में टूटी हुई हो और दाहिने हाथ में साफ तथा सुस्पष्ट है तब यह कुछ गंभीर बीमारी का संकेत है। परन्तु अंततः बीमारी ठीक हो जाती है लेकिन यदि जीवन रेखा दोनो हाथ मे टूटी हुई हो तो व्यक्ति की मृत्यु

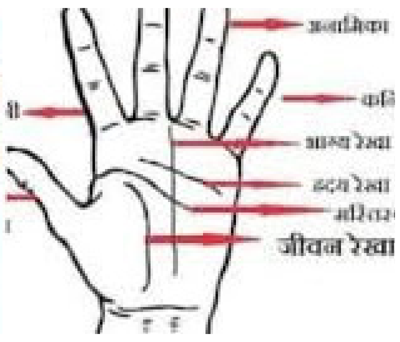

प्रियंका जैन
9769994439

तक हो सकती है। निर्बलता- यदि किसी व्यक्ति के हाथ में जीवन रेखा श्रृंखलाकार या अलग-अलग टुकड़ों से जुड़ी हुई या बनी हुई हो तो व्यक्ति निर्बल हो सकता है। ऐसे लोग स्वास्थ्य की दृष्टि से भी परेशानियों का सामना करते हैं। ऐसा विशेषतः तब होता है, जब हाथ बहुत कोमल हो। जब जीवन रेखा के दोष दूर हो जाते हैं तो व्यक्ति का जीवन सामान्य हो जाता है। तरक्की- यदि जीवन रेखा से कोई शाखा गुरु पर्वत क्षेत्र (इंडेक्स फिंगर के नीचे वाले भाग को गुरु पर्वत कहते हैं।) की ओर उठती दिखाई दे या गुरु पर्वत में जा मिले तो इसका अर्थ यह समझना चाहिए कि व्यक्ति को कोई बड़ा पद या व्यापार-व्यवसाय में तरक्की प्राप्त होती है। धन-संपत्ति-.यदि जीवन रेखा से कोई शाखा शनि पर्वत क्षेत्र (मिडिल फिंगर के नीचे वाले भाग को शनि पर्वत कहते हैं।) की ओर उठकर भाग्य रेखा के साथ-साथ चलती दिखाई दे तो इसका अर्थ यह होता है कि व्यक्ति को धन-संपत्ति का लाभ मिल सकता है। ऐसी रेखा के प्रभाव से व्यक्ति को सुख-सुविधाओं की वस्तुएं भी प्राप्त हो सकती हैं।

क्रमशः

खबर संक्षेप

शादी की रस मलाई खाने से 400 बराती और घराती बीमार

मथुरा। मथुरा के मांट में आयोजित शादी समारोह में रसमलाई खाने से घराती और बराती सहित 400 से अधिक महिला और पुरुषों की तबीयत बिगड़ गई। कुछ का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है, तो कुछ लोग घर पर ही उपचार करा रहे हैं। इसमें से 10 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। थाना मांट के गांव जाबरा निवासी केवल सिंह की दो बेटी हेमतला की शादी बाघई निवासी सुमित कुमार के साथ हुई, जबकि दूसरी बेटी प्रेमलता की शादी हसनपुर निवासी नेपाल के साथ तय थी। 6 दिसंबर को शादी राया में अर्श ग्रीन गार्डन में हुई। सभी घराती और बरातियों ने शादी में खाना खाया। इस समारोह में जिस-जिसने रसमलाई खाई उसकी हालत बिगड़ गई। बताया गया है कि शादी समारोह में आए जाबरा, हसनपुर और बाघई के 400 से अधिक लोगों की तबीयत बिगड़ गई है।

मंगलवार को एमपी शिक्षा परिषद का मुख्य महोत्सव

गोरखपुर। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह का मुख्य महोत्सव (समापन कार्यक्रम) मंगलवार को महाराणा प्रताप इंटर कालेज के मैदान पर भव्यतापूर्वक होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरक्षपीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में नोबल पुरस्कार विजेता, बचपन बचाओ आंदोलन के प्रणेता कैलाश सत्यार्थी उपस्थित होंगे। इस वर्ष पर परिषद की तरफ से उत्कृष्टता के आधार पर संस्थाओं, शिक्षकों, कर्मचारियों और 800 विद्यार्थियों को ट्रॉफी, पदक व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह मंगलवार प्रातः 9.30 बजे से प्रारम्भ होगा।

दरवन झील में चलेगी नाव, बनेगा गेस्ट हाउस

अंबेडकरनगर। तीन सौ एकड़ में फैली दरवन झील का विकास पक्षी विहार के तौर पर होगा। यहां साइबेरियन पक्षियों का जमावड़ा और बढ़ेगा। झील के विकास के साथ यहां पर लोगों के ठहरने के लिए गेस्ट हाउस भी बनेगा। जिला प्रशासन ने तय किया है कि शासन से मिली रकम के अलावा अन्य प्रयासों से भी यहां वृहद सुंदरीकरण कराया जाएगा। दरवन झील जिले की सबसे बड़ी झील के तौर पर पहचानी जाती है। ग्राम पंचायत दरवन, हाथपाकड़ व चांदपुर जलालपुर के लगभग तीन सौ एकड़ क्षेत्रफल में यह झील फैली हुई है। झील का पानी अब तक आसपास के गांवों के लोगों के लिए सिंचाई का एक बड़ा साधन रहा है।

औरंगाबाद पुलिस और एसटीएफ टीम ने की छापेमारी

हथियार-कारतूस के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले के गोह पुलिस ने एसटीएफ के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन अवैध हथियार के साथ 44 कारतूस जब्त करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। दाउदनगर एसडीपीओ कुमार ऋषिराज ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि रविवार को गोह के प्रभारी थानाध्यक्ष सुदीश कुमार को औरंगाबाद एसटीएफ द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम अल्हन परासी के नंदकिशोर शर्मा अपने घर में अवैध हथियार रखे हुए है।

मामले में एक व्यक्ति गिरफ्तार

सूचना मिलने पर प्रभारी थानाध्यक्ष सुदीश कुमार थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी, सशस्त्र बल एवं रफीगंज एसटीएफ की टीम के साथ अल्हन परासी पहुंचे। नंदकिशोर शर्मा के घर की घेराबंदी करते हुए जब घर की तलाशी ली गई, तो एक व्यक्ति घर में उपस्थित मिला। तलाशी के दौरान अनाज के बोरा में छिपाकर रखा तीन तीन देशी कट्टा, 44 जिंदा कारतूस एवं दो खोखा बरामद किया गया। पकड़ाये व्यक्ति से नाम पता पूछने पर अपना नाम नंदकिशोर शर्मा उर्फ शंकर शर्मा बताया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

इस संबंध में गोह थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस कांड के अनुसंधानकर्ता पीएसआई विवेक कुमार है। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति के खिलाफ पूर्व से भी गोह थाना कांड 244/22 दर्ज है, जो मारपीट की घटना से संबंधित है। इसमें आरोप पत्र भी समर्पित किया जा चुका है। उससे यह पूछताछ की जा रही है। इन हथियारों का स्रोत क्या है और कहां से हथियार लाए थे।

छह साल के बच्चे की ननिहाल में बेरहमी से हत्या

आंगन में कुदाल से काट डाला

बोकारो। बोकारो जिले के नावाडीह प्रखंड के ऊपरघाट के पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के कोठी गांव में छह वर्षीय बच्चे डेविड राज की ननिहाल में कुदाल से काटकर हत्या कर दी गयी है। घटना रविवार शाम पांच बजे की है। मृतक की मां रुकवा देवी के आवेदन पर केस (कांड संख्या 55/2024) दर्ज कर किया गया है। मृतक के बड़े चाचा जानकी महतो के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस अनुसंधान में जुट गयी है।

गाय को चारा देने के बाद डेविड नहीं लौटा खलिहान

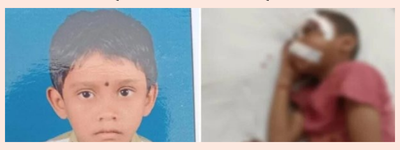

थाना प्रभारी घनश्याम रवि ने पूछताछ के लिए जानकी महतो को हिरासत में लिया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि हरलाडीह निवासी बिनोद महतो एवं रुकवा देवी का छह वर्षीय पुत्र डेविड राज कोठी गांव स्थित अपने ननिहाल में नाना गोरी लाल महतो के घर पर अपने बड़े चाचा जानकी महतो के डर से रह रहा था। रविवार की शाम को डेविड राज के ननिहाल के सभी लोग खलिहान में थे।

भैंसुर पर हत्या का गंभीर आरोप

ननिहाल के लोगों ने घटना की जानकारी बच्चे के माता-पिता और पेंक नारायणपुर थाने को दी। थाना प्रभारी घनश्याम रवि ने हत्या में प्रयुक्त कुदाल को जब्त कर शव का पंचनामा तैयार किया। मृत बालक की मां ने हत्या का आरोप अपने ही भैंसुर जानकी महतो पर लगाया।

टुंडी में राइफल साफ करते समय चली गोली

सीआरपीएफ जवान की मौत

टुंडी। धनबाद जिले के टुंडी में सोमवार सुबह एक सिपाही की मौत हो गई। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के इस जवान को गोली लगी थी। उसे धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सीआरपीएफ कैंप में राइफल साफ कर रहा था नंदकिशोर सिंह

पूर्वी टुंडी के सीआरपीएफ कैंप में हवलदार के पद पर तैनात नंदकिशोर सिंह अपनी राइफल साफ कर रहा था। इसी दौरान गलती से ट्रिगर दब गया और गोली चल गई। गोली उसके सिर पर लगी। गोली चलने की आवाज सुनकर कैंप के अन्य जवान भागकर वहां पहुंचे। देखा कि नंदकिशोर सिंह लहूलुहान अवस्था में गिरा है। जवान तत्काल उसे लेकर मेडिकल कॉलेज धनबाद पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

दो बाइकों में आमने-सामने की जोरदार टक्कर

दो लोगों की मौके पर ही मौत

भोजपुर। बिहार के भोजपुर जिले में तेज रफ्तार ने दो लोगों की जान ले ली है। तेज रफ्तार के कारण होनेवाली घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। बीती रात जिले में दो बाइकों की आमने सामने टक्कर हो गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई है। दोनों मृतकों में एक की पहचान बक्सर के नावानगर गांव के रहने वाले उमेश सिंह के रूप में हुई है। मृतक उमेश सिंह पेशे से कारोबारी थे। बीते दो साल से वह पटना में अपना मकान बनाकर परिवार के साथ रहते थे। वहीं दूसरे मृतक की पहचान पीरो थाना क्षेत्र के चतुर्भुजी बरांव गांव के रहने वाले मोनू सिंह के रूप में हुई है।

लोगों ने दी हादसे की जानकारी

मामला हसन बाजार थाना क्षेत्र के तरारी मोड़ के समीप की है। घटना को लेकर बताया गया कि उमेश सिंह बिक्रमगंज से शिव चर्चा कर वापस पटना लौट रहे थे। वहीं, मोनू सिंह पैसा निकालकर अपने गांव के किराना दुकानदार को पैसा देने के बाद विक्रमगंज जा रहे थे। इसी बीच दोनों बाइक में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने हादसे की जानकारी हसन बाजार थाना पुलिस को दी।

सूचना पाकर हसन बाजार थानाध्यक्ष सर्वेश कुमार पुलिस बल के साथ फौरन घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

सिरफिरे आशिक ने प्रेमिका पर किया खूनी हमला

रास्ता रोक की शादी की बात, मना करने पर हुआ आगबबूला

मऊ। मऊ के मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र के रेलवे फाटक पश्चिमी के पास सोमवार की दोपहर मनबढ़ एक युवक ने हिंदी की परीक्षा देने जा रही एमए की छात्रा पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद भाग रहे आरोपी युवक को स्थानीय लोगों ने करीब दौ सौ मीटर पीछाकर उसे पकड़कर पुलिस को सुपर्द कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवती को अस्पताल लाकर भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, पूछताछ में युवक ने खुद को युवती का प्रेमी होना स्वीकार करते हुए शादी से इंकार करने पर यह घटना को अंजाम देने की बात कही, पुलिस युवक को हिरासत में लेकर मामले की जांच में जुटी है। मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र के कोठिया गांव निवासी पदमावति उर्फ रीतू (23) पुत्री श्रीराम मुहम्मदाबाद गोहना कस्बा के एक कॉलेज में एमए हिंदी की छात्रा है। सोमवार की दोपहर दो बजे की पाली में उसकी परीक्षा थी, जिसको लेकर वह घर से निकलकर कॉलेज जा रही थी।

पुलिस ने की कार्रवाई

वह मुहम्मदाबाद गोहना कस्बा के रेलवे फाटक पश्चिमी के पास पहुंची थी कि घोसी कोतवाली क्षेत्र के अल्लूपुर गांव निवासी नीलेश ने उसका रास्ता रोककर उससे पहले तो उसका कुशलक्षेम पूछा, उसके बाद उससे शादी करने को बात करने पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इस बीच, युवती के इन्कार से नाराज होकर अपने पास रखा चाकू निकालकर उसके गले, सीने सहित छह जगहों पर ताबड़तोड़ हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना को अंजाम देकर आरोपी युवक ने भागने की कोशिश की, लेकिन इस बीच युवती के चीख-पुकार सुन सक्रिय लोगों ने पीछाकर उसे पकड़ कर उसकी पिटाई कर पुलिस को सुपर्द कर दिया। सूचना मिलने पर सीओ मुहम्मदाबाद गोहना शीतला प्रसाद पांडेय और कोतवाल रविंद्रनाथ राय मौके पर पहुंचे। इसके बाद घायल को मुहम्मदाबाद गोहना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाकर भर्ती कराया। घटना के संबंध में सीओ ने बताया कि मामला प्रेम-प्रंसग का है, पकड़ा युवक ने बताया कि उसका और उसकी युवती के बीच करीब पांच साल से प्रेमप्रसंग चल रहा था। छह माह पूर्व तक सब सही था, इस बीच शादी की बात भी चल रही थी, लेकिन युवती और उसके परिजनों ने शादी से इन्कार कर दिया।

बताया कि वह कई दिनों से युवती से बातचीत करने का प्रयास कर रहा था। बताया कि बात करने के लिए वह सोमवार को युवती से मिलने पहुंचा था। उसने पहले उसका हालचाल पूछा फिर शादी की बात कही, युवती के इंकार करने पर उसने हमला कर उसे घायल कर दिया।

संजय मल्होत्रा आरबीआई के गवर्नर नए गवर्नर होंगे

- 11 दिसंबर को पदभार संभालेंगे
- 6 साल से गवर्नर शक्तिकांत दास की जगह लेंगे

एजेंसी | नई दिल्ली

नई सरकार ने रेवेन्यू सेक्रेटरी संजय मल्होत्रा को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) का नया गवर्नर नियुक्त किया है। वे RBI के 26वें गवर्नर होंगे और मौजूदा गवर्नर शक्तिकांत दास की जगह लेंगे। दास का 10 दिसंबर 2024 को कार्यकाल पूरा हो रहा है। 11 दिसंबर से मल्होत्रा गवर्नर का पद संभालेंगे। कैबिनेट ने 9 दिसंबर को संजय मल्होत्रा के अपॉइंटमेंट को मंजूरी दी है। शक्तिकांत दास 12 दिसंबर 2018 को गवर्नर बनाए गए थे। उनके कार्यकाल को बाद में तीन साल और के लिए एक्सटेंड किया गया था। उन्होंने उर्जित पटेल की जगह ली थी।

आरबीआई पर ब्याज दरों में कटौती करने का दबाव

नए गवर्नर ने ऐसे समय कार्यभार संभाल रहे हैं जब केंद्रीय बैंक मुश्किल स्थिति में है। RBI पर ब्याज दरों में कटौती करने का दबाव बढ़ रहा है क्योंकि जुलाई-सितंबर की अवधि में विकास दर सात-तिमाही के निचले स्तर 5.4% पर आ गई है। दास के तहत, RBI ने महंगाई के रिस्क का हवाला देते हुए लगभग दो वर्षों तक ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखा है।

फाइनेंस और टैक्सेशन के एक्सपर्ट हैं संजय मल्होत्रा

राजस्थान कैडर के 1990 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी संजय मल्होत्रा के पास भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर से कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की डिग्री और प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, यूएसए से पब्लिक पॉलिसी में मास्टर डिग्री है। मल्होत्रा ने पावर, फाइनेंस और टैक्सेशन, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और माइन्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम किया है। उनका 33 साल से ज्यादा का एक्सपीरिएंस है।

अमेजन-फ्लिपकार्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा CCI

आयोग ने जांच में देरी की कोशिशें रोकने की अपील की

- कंपनियों पर अविश्वास कानूनों के उल्लंघन का आरोप

एजेंसी | नई दिल्ली

कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया यानी CCI ने सुप्रीम कोर्ट से ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन और फ्लिपकार्ट की जांच के लिए कानूनी चुनौतियों पर सुनवाई करने की मांग की है। CCI ने कहा कि सैमसंग, वीवो और अन्य कंपनियां हाई कोर्ट की जांच को रोकने के उद्देश्य से अलग-अलग कोर्ट में चुनौतियां पेश कर रही हैं। CCI ने 3 दिसंबर को कोर्ट में फाइलिंग दायर की थी, जिसे पब्लिक नहीं किया गया था। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने कोर्ट से सैमसंग, वीवो, अमेजन और फ्लिपकार्ट के खिलाफ वेंडर्स की 23 शिकायतों पर सुनवाई करने का अनुरोध किया, ताकि मामले पर जल्द से जल्द फैसला हो सके।

अमेजन और फ्लिपकार्ट ने अविश्वास कानूनों का उल्लंघन किया है

CCI की इन्वेस्टिगेशन यूनिट ने अगस्त में जांच का निष्कर्ष निकाला था कि अमेजन और फ्लिपकार्ट ने अपनी वेबसाइटों पर चुनिंदा वेंजर्स को तरजीह देकर भारत के एंटीट्रस्ट लॉ यानी अविश्वास कानूनों का उल्लंघन किया है। आयोग ने यह भी पाया कि सैमसंग और वीवो जैसी स्मार्टफोन कंपनियों ने इन दो ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ सांठगांठ करके प्रोडक्ट्स को ऑनलाइन लॉन्च कर उन कानूनों का उल्लंघन किया था।

जांच की प्रोसेस को कमजोर और खराब करना चाहते हैं: CCI

CCI ने कहा कि जांच के निष्कर्षों के बाद से अमेजन, फ्लिपकार्ट, सैमसंग और वीवो के कुछ वेंडर्स ने पांच हाई कोर्ट में लगभग दो दर्जन मुकदमे दायर किए हैं। वेंडर्स ने ऐसा इसलिए किया है, ताकि जांच को रोका जा सके। साथ ही वे जांच की प्रोसेस को कमजोर और खराब करना चाहते हैं। हालांकि, इस मामले पर अब तक अमेजन, फ्लिपकार्ट, सैमसंग, वीवो और CCI की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है। यह जांच अमेजन और फ्लिपकार्ट के लिए एक बड़ा रेगुलेटरी चैलेंज है।

पेटीएम ने रचा नया इतिहास

शेयरों ने छुआ 52-हफ्ते का उच्चतम स्तर

मुंबई। ऑनलाइन डिजिटल भुगतान कंपनी Paytm (वन97 कम्यूनिकेशंस) के शेयरों ने 9 दिसंबर 2024 को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जब उन्होंने अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर को छू लिया। यह वृद्धि कंपनी के बोर्ड द्वारा जापान की PayPay कॉरपोरेशन में हिस्सेदारी बेचने के फैसले के बाद आई। इस फैसले के तहत Paytm अपनी 10.13% हिस्सेदारी लगभग 2,364 करोड़ रुपये में बेचने जा रही है।

पेटीएम ने बेची 10.13% हिस्सेदारी

Paytm ने अपनी जापानी सहयोगी कंपनी PayPay में 10.13% हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया है। यह सौदा जापानी निवेशकों के बीच Paytm की विश्वसनीयता को दर्शाता है। इस खबर के तुरंत बाद Paytm के शेयरों में 3% से अधिक की बढ़त दर्ज की गई और उन्होंने 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर छू लिया। इस वृद्धि ने निवेशकों को सकारात्मक संकेत दिए। हिस्सेदारी की बिक्री से प्राप्त 2,364 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग Paytm अपने व्यवसाय के विस्तार और डिजिटल भुगतान में अधिक निवेश के लिए कर सकती है।

Paytm का यह कदम उनके वैश्विक रणनीति का हिस्सा है, जो अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उनके प्रभाव को बढ़ाता है। PayPay के साथ Paytm का सहयोग जापान के डिजिटल भुगतान बाजार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा था।

सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 81,508 पर बंद हुआ

निफ्टी भी 58 अंक गिरा, BSE स्मॉल कैप में 262 अंक की तेजी रही

मुंबई। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन 9 दिसंबर को सेंसेक्स 200 अंक की गिरावट के साथ 81,508 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 58 अंक की गिरावट रही, ये 24,619 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, BSE स्मॉल कैप 262 अंक की तेजी के साथ 57,313 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट और 13 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 30 में गिरावट और 19 में तेजी रही। जबकि, एक शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। NSE सेक्टोरल इंडेक्स में FMCG सेक्टर सबसे ज्यादा 2.22% की गिरावट के साथ बंद हुआ।

बाजारों में मिलाजुला कारोबार

रिलायंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक और ITC ने बाजार को नीचे गिराया। जबकि, HDFC, लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल और टाटा स्टील ने बाजार को ऊपर खींचा। एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.18% की तेजी और कोरिया के कोस्पी में 2.78% की गिरावट रही। वहीं चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स 0.045% की गिरावट के साथ बंद हुआ। NSE के डेटा के अनुसार, विदेशी निवेशकों (FIIs) ने 6 दिसंबर को 1,830.31 करोड़ के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 1,659.06 करोड़ के शेयर खरीदे।

शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ था बाजार

इससे पहले शुक्रवार यानी 6 दिसंबर को सेंसेक्स 56 अंक की गिरावट के साथ 81,709 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 30 अंक की गिरावट थी, यह 24,677 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट और 13 में तेजी थी। निफ्टी के 50 शेयरों में से 32 में गिरावट और 18 में तेजी थी। NSE सेक्टोरल इंडेक्स में मेटल सेक्टर सबसे ज्यादा 1.23% की तेजी के साथ बंद हुआ था।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
मुंबई, मंगलवार, 10 दिसंबर 2024

ब्रिस्बेन टेस्ट से पहले सिराज और हेड पर गिर सकती है गाज

■ बहसबाजी के लिए ICC लगा सकता है जुर्माना

एजेंसी । ब्रिस्बेन

एडिलेड टेस्ट में भारत की हार से ज्यादा सुर्खियां मोहम्मद सिराज और ट्रेविस हेड की नोक झोंक बटोर रही है। मुकाबले के दूसरे दिन हेड को आउट करने के बाद सिराज ने आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया था, जिससे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज खुश नहीं दिखे थे और उन्होंने कुछ शब्द कहे। इस पर सिराज ने उन्हें जाने का इशारा किया था। इस पर दोनों का बयान भी आया। अब पीटीआई ने ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के हवाले से बताया है कि मैच के दौरान आपस में उलझने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आचार संहिता का दोषी पाया गया है और इसके लिए उन्हें सजा मिलना तय है।

केवल जुर्माना या फटकार लगने की संभावना

रिपोर्ट में कहा गया है कि सिराज और हेड को सोमवार को अनुशासनात्मक सुनवाई के बाद दोषी ठहराया गया है। इन दोनों खिलाड़ियों को उनके पिछले अच्छे रिकॉर्ड के कारण निलंबन का सामना करने के बजाय केवल जुर्माना या फटकार लगने की संभावना है।

क्या है पूरा मामला ?

सिराज ने ऑस्ट्रेलिया को 310 रन के स्कोर पर सातवां झटका दिया था। सिराज के यॉर्कर को हेड समझ नहीं सके और बोल्ड हो गए। उन्होंने 141 गेंद में 17 चौके और चार छक्के की मदद से 140 रन की बेहतरीन पारी खेली। हेड को आउट करने के बाद सिराज ने आक्रामकता दिखाई जिस पर हेड ने भी पवेलियन लौटते समय सिराज से कुछ कहा। इस दौरान सिराज और हेड के बीच तू-तू मैं-मैं भी देखने मिली और माहौल कुछ सेकेंड के लिए गरमा गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

हेड का बयान

इस मामले पर हेड ने कहा- मैंने उनसे कहा था कि अच्छी गेंद थी। लेकिन उन्होंने कुछ और ही सोचा और मुझे बाहर जाने की ओर इशारा किया। पिछली कुछ पारियों में जिस तरह से चीजें हुईं, मैं उससे थोड़ा निराश हूं। लेकिन अगर वे इस तरह से प्रतिक्रिया करना चाहते हैं तो यही होगा। और वे खुद को इस तरह से पेश करना चाहते हैं तो ऐसा ही रहे।

वो झूठ बोल रहे- सिराज

वहीं, सिराज ने दावा किया कि हेड झूठ बोल रहे थे। उन्होंने कहा, 'मुझे हेड को गेंदबाजी करने में मजा आ रहा था। यह एक अच्छी लड़ाई थी क्योंकि उन्होंने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की। जब कोई बल्लेबाज आपको अच्छी गेंद पर छक्का मारता है, तो बुरा लगता है। इससे मुझे एक ऊर्जा मिली। उन्हें आउट करने के बाद मैंने जश्न मनाया। फिर उन्होंने मुझे गालियां दीं। आप टीवी पर भी देख सकते हैं। शुरुआत में मैं सिर्फ जश्न मना रहा था। मैंने उनसे कुछ नहीं कहा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने झूठ बात कही।

न्यूजीलैंड बनाम इंग्लैंड

तीसरे टेस्ट से बाहर हुए डेवोन कॉनवे

एजेंसी । वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के डेवोन कॉनवे इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ 14 दिसंबर से खेले जाने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे। दरअसल, वह जल्द ही पिता बनने वाले हैं और उन्होंने वेलिंगटन में ही रहने का फैसला किया है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने इस खबर की पुष्टि करते हुए अपनी खुशी जाहिर की है। इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टेस्ट के लिए कॉनवे की जगह मार्क चैपमैन को टीम में शामिल किया गया है। चैपमैन ने हाल ही में प्लंकेट शील्ड टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया था, जिसके चलते उनका चयन हुआ है। टीम के कोच स्टीड ने कहा, 'चैपमैन हाल ही में भारत में टेस्ट टीम के साथ थे और प्लंकेट शील्ड में 276 रन बनाकर लौटे। इसलिए उनके लिए हमारे साथ जुड़ने का यह अच्छा समय है।'

▶▶ मार्क चैपमैन को मिला मौका

खराब फॉर्म में चल रहे थे कॉनवे

कॉनवे अच्छी फॉर्म में नहीं चल रहे थे। उन्होंने सीरीज के पहले टेस्ट में 2 और 8 रन के स्कोर किए थे। इसके बाद दूसरे दूसरे टेस्ट में 11 और 0 रन के स्कोर किए थे। अपने टेस्ट करियर में उन्होंने 27 मैच खेले, जिसमें 36.72 की औसत के साथ 1,836 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 200 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 4 शतक और 11 अर्धशतक लगाए हैं। चैपमैन ने अब तक टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है। उन्होंने अब तक 45 प्रथम श्रेणी मैचों में 46.14 की औसत के साथ 3,230 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 7 शतक और 17 अर्धशतक लगाए हैं।

श्रीलंका के खिलाफ जीत से शीर्ष पर पहुंचा दक्षिण अफ्रीका

एजेंसी । नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका के खिलाफ 143 रनों से मिली जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया है। तेंबा बावुमा की अगुआई वाली टीम ने घरेलू जमीन पर श्रीलंका को 2-0 से हराया और डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। भारत को रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिस कारण वह पहले से तीसरे स्थान पर खिसक गया था।

दक्षिण अफ्रीका ने हालांकि किसी तरह भारत की मदद भी कर दी है। दक्षिण अफ्रीका की जीत से श्रीलंका पर फाइनल की दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। भारत फिलहाल शीर्ष दो से बाहर है, लेकिन उसका लगातार तीसरे डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की संभावना बरकरार है। हालांकि, श्रीलंका पर बड़ी जीत से दक्षिण अफ्रीका इस दौड़ में प्रबल दावेदार के रूप में मजबूत हो गया है।

दक्षिण अफ्रीका की पीसीटी 63.33 प्रतिशत है और वह ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर शीर्ष पर आ गया है, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे स्थान पर खिसक गई है। दक्षिण अफ्रीका को अगर अगले साल होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचना है तो उसे पाकिस्तान के खिलाफ अगले दो टेस्ट मैच जीतने होंगे।

भारत किस तरह फाइनल में पहुंच सकता है?

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी फिलहाल 1-1 की बराबरी पर चल रही है। अगर भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनानी है तो उसे तीनों मैच जीतने होंगे और सीरीज 4-1 से अपने नाम करनी होगी। अगर भारत उम्मीद के अनुरूप नतीजे नहीं ला सकी तो उसे पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड टेस्ट में हार से उसकी संभावनाओं को झटका लगा है और वह अगर मगर के फेर में पड़ गई है।

लिरेन ने 12वें दौर में की वापसी

▶▶ गुकेश को हराकर स्कोर फिर बराबर किया

एजेंसी । सिंगापुर

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश अपनी जीत की लय को बरकरार नहीं रख सके और उन्हें गत चैंपियन चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ विश्व शतरंज चैंपियनशिप के 12वें दौर में हार का सामना करना पड़ा। गुकेश की हार से एक बार फिर दोनों खिलाड़ियों के बीज स्कोर बराबर हो गया है और फिलहाल दोनों 6-6 अंक की बराबरी पर हैं। 18 वर्षीय गुकेश ने रविवार को 11वें दौर में जीत दर्ज कर एक अंक की बढ़त हासिल की थी, लेकिन लिरेन वापसी करने में सफल रहे।

चैंपियन बनने से 1.5 अंक दूर गुकेश-लिरेन

गुकेश और लिरेन के बीच लगातार सात ड्रॉ के बाद 11वें दौर में नतीजा निकला था, लेकिन लिरेन ने सोमवार को पूरा जोर लगाया और भारतीय ग्रैंडमास्टर के खिलाफ बढ़त लेने में सफल रहे। गुकेश और लिरेन के बीच 14 दौर के क्लासिकल प्रारूप का अब दो दौर का मुकाबला शेष है। दोनों ही खिलाड़ी खिताब जीतने से अब 1.5 अंक दूर हैं। अगर 14 दौर समाप्त होने के बाद मुकाबला ड्रॉ रहा तो विजेता का फैसला फास्टर टाइम कंट्रोल के जरिये होगा। गुकेश और लिरेन के बीच अगले दो मुकाबले बुधवार और गुरुवार को खेले जाएंगे, जबकि मंगलवार को आराम दिया जाएगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

बंगाल ने चंडीगढ़ को हराया

- शमी ने 32 रन बनाए, 1 विकेट भी लिया
- यूपी 4 विकेट से जीता

एजेंसी । बेंगलुरु

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के पहले प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बंगाल ने चंडीगढ़ को 3 रन से हरा दिया। मोहम्मद शमी ने 32 रन बनाने के साथ एक विकेट भी लिया। वहीं दूसरे प्री क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश ने आंध्र प्रदेश को 4 विकेट से हरा दिया। रिंकू सिंह ने 27 रन की नॉटआउट पारी खेली।

चंडीगढ़ को जीत के लिए 20वें ओवर में 11 रन चाहिए थे। यहां कप्तान घरामी ने सायन घोष को बॉलिंग दी। जिन्होंने यॉर्कर बॉल पर निखिल शर्मा को आउट किया। वहीं जगजीत सिंह रन आउट हो गए। घोष ने ओवर में मात्र 7 रन दिए और बंगाल को 3 रन से जीत दिला दी। मोहम्मद शमी ने पहले बैट फिर बॉल दोनों के साथ शानदार परफॉर्म किया। उन्होंने 188.23 के स्ट्राइक रेट से 32 रन बनाए। शमी ने पारी में 3 चौके और 2 सिक्स भी लगाए। वहीं उन्होंने 139kmph की रफ्तार से बॉलिंग करते हुए 4 ओवर में 25 रन देकर 1 विकेट लिए। उन्होंने ओपनर अरसलान खान को शून्य के स्कोर पर आउट किया।

शमी की पारी ने पलटा मैच

चंडीगढ़ ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला किया। टीम ने बंगाल के 8 विकेट 114 रन पर गिरा दिए थे। लेकिन इसके बाद बल्लेबाजी करने आए शमी ने 17 बॉल पर नाबाद 32 रन बना दिए, जो आखिर में टीम के लिए मैच जिताऊ पारी साबित हुई। चंडीगढ़ से जगजीत सिंह ने 4 विकेट लिए। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में बंगाल ने पहले बैटिंग करते हुए 9 विकेट पर159 रन बनाए। जवाब में चंडीगढ़ 20 ओवर खेलकर 156 रन ही बना सकी। राज बावा ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए। बंगाल के लिए शमी ने 4 ओवर में 13 डॉट बॉल डाली, 25 रन देकर 1 विकेट भी लिया। सायन घोष ने 4 विकेट लिए।

कई बॉलिंग एक्सपर्ट्स का मानना था कि शमी अपने इस सीजन के पहले रणजी ट्रॉफी मैच मध्यप्रदेश के खिलाफ ओवरवेट दिख रहे थे। मैच में उन्होंने दोनों इनिंग मिलाकर 42 ओवर जरुर डाले थे। लेकिन उनको अपने फॉलो थ्रू को लेकर दिक्कतें आ रही थी। चंडीगढ़ के खिलाफ शमी पूरी तरह से अपनी लय में दिखे। उन्होंने अपने पहले 3 ओवर के स्पेल में मात्र 11 रन दिए। इसके बाद चौथे ओवर में शमी को जगजीत ने एक चौका और छक्का लगाया।

वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया

▶▶ लगातार 11 मैचों की हार का सिलसिला तोड़ा

एजेंसी । सेंट किट्स

शेरफेन रदरफोर्ड के पहले वनडे शतक की बदौलत वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ लगातार 11 मैचों की हार का सिलसिला तोड़ते हुए पांच विकेट से जीत दर्ज की। सेंट किट्स में कैरेबियाई टीम ने 295 रनों का लक्ष्य हासिल कर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की। जीत के हीरो रदरफोर्ड रहे, जिन्होंने धीमी शुरुआत के बाद 80 गेंदों पर 113 रन की पारी खेल कर टीम को जीत दिलाई। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

रदरफोर्ड ने अपना पहला शतक बनाया

रदरफोर्ड को दो बार गेंद उनकी हेलमेट पर लगी, उसके बावजूद उन्होंने अपना शतक पूरा किया। उन्होंने अपना शतक तब पूरा किया जब बांग्लादेश ने 47वें ओवर में ओवर थ्रो के जरिए 6 रन दिए। उसके बाद उन्होंने सौम्या सरकार की गेंदों पर लॉन्ग-ऑफ और मिडविकेट पर लगातार छक्के लगाए, फिर उन्होंने शॉर्ट थर्ड मैन पर एक छक्का लगाया, जहां नाहिद राणा ने उनका कैच पकड़ लिया।

रणबीर कपूर ने पहली बार 'रामायण' में अपने किरदार के बारे में की बात

रणबीर कपूर के लिए साल 2023 बेहद खास था। उनकी फिल्म एनिमल ने अच्छा बिजनेस किया। फ़िलहाल रणबीर 'रामायण' और फिल्म 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि 'रामायण' में उनका रोल एक ड्रीम रोल है। रणबीर कपूर ने एक कार्यक्रम में अपने कई प्रोजेक्ट्स पर चर्चा की। नितेश तिवारी की 'रामायण' के बारे में उन्होंने कहा, 'मैं फिलहाल रामायण पर काम कर रहा हूं।

यह महानतम पौराणिक कहानियों में से एक है। मेरे बचपन के दोस्त नमित मल्होत्रा इस फिल्म को बहुत मन से बना रहे हैं। सभी क्रिएटिव लोग इस फिल्म से जुड़े हुए हैं। नितेश तिवारी इसका निर्देशन कर रहे है इसलिए इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए एक सपने की भूमिका की तरह है। फिल्म के पहले पार्ट की शूटिंग पूरी कर ली है और दूसरे पार्ट की शूटिंग जल्द शुरू करेंगे। मैं श्रीराम की भूमिका निभाकर बहुत भाग्यशाली महसूस करता हूं। इस फिल्म में हम परिवार, पति-पत्नी के रिश्ते के महत्व के बारे में बहुत कुछ सीखते हैं।'

रामायण का निर्माण नमित मल्होत्रा कर रही हैं। इसका निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है। रणबीर कपूर के साथ फिल्म में साई पल्लवी है, जो माता सीता का किरदार कर रही है। साउथ स्टार यश रावण की भूमिका में हैं और टीवी एक्टर रवि दुबे ने लक्ष्मण का किरदार किया है। फिल्म का पहला पार्ट 2026 में दिवाली पर रिलीज किया जाएगा।

'बागी-4' में विलेन का किरदार निभाएंगे संजय दत्त

साजिद नाडियाडवाला की सुपरहिट फ्रेंचाइजी फिल्म 'बागी' का चौथे पार्ट की घोषणा हाल ही में की गई थी। इस फिल्म के जरिये टाइगर श्रॉफ एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। इसी बीच इस फिल्म का नया पोस्टर रिलीज किया गया है। इस फ्रेंचाइजी की पहली तीन पार्ट को दर्शकों ने खूब सराहा तो चौथे पार्ट में और क्या देखने को मिलेगा? फैंस की उत्सुकता भी काफी बढ़ गई है।

सोशल मीडिया पर फिल्म 'बागी-4' का नया पोस्टर सामने आया है। इस नए पोस्टर के जरिए फिल्म के विलेन का चेहरा सामने आ गया है। फिल्म में विलेन के तौर पर मनोज वाजपेई और जयदीप अहलावत के बाद एक्टर संजय दत्त देखा जा सकता है। इस पोस्टर में संजय दत्त का विलेन लुक आपके रोंगटे खड़े कर देगा। इस पोस्टर में संजय दत्त कुर्सी पर बैठकर चिल्लाते नजर आ रहे हैं। साथ ही उनकी गोद में एक बच्ची लहूलुहान हालत में नजर आ रही है। संजय दत्त भी खून से लथपथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट पर 'हर आशिक एक विलेन है' लिखा हुआ है। इस पोस्टर से दर्शक अंदाजा लगा रहे हैं कि एक्टर अपने प्यार को खोने के बाद विलेन बन जाते हैं। इस बीच, बागी-4 को 5 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ किया जाएगा। इसी बीच एक्टर संजय दत्त ने इस फिल्म का पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। एक्टर की पोस्ट देखने के बाद उनके फैंस के लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई है।

फिल्म 'फतेह' में सोनू सूद के साथ आ रही है जैकलीन फर्नांडिस

पिछले लंबे समय से अभिनेता सोनू सूद अपनी आगामी फिल्म 'फतेह' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में सोनू की जोड़ी अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अब निर्माताओं ने 'फतेह' का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें वह जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रहे हैं। इस टीजर में जैकलीन की भी झलक दिख रही है।

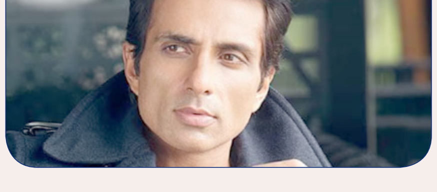

जानिए कब रिलीज होगी 'फतेह'

'फतेह' की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में धमाल मचाने को तैयार है। 'फतेह' 10 जनवरी, 2025 को दर्शकों के बीच आएगी। जी स्टूडियो ने टीजर साझा करते हुए लिखा, 'किरदार ईमानदार रखना, जनाजा शानदार निकलेगा।' यह 'फतेह' एक साइबर क्राइम थ्रिलर फिल्म है। सोनू के निर्देशन में बन रही यह पहली फिल्म है। फिल्म में सोनू को कभी ना देखे गए एक्शन दृश्य करते देखा जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

दिल्ली के 40 स्कूलों में बम की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के 40 स्कूलों को सोमवार सुबह ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें मदर मैरी स्कूल, ब्रिटिश स्कूल, सलवान पब्लिक स्कूल, कैम्ब्रिज स्कूल शामिल हैं। एहतियात के तौर पर सभी स्कूलों से बच्चों को वापस घर भेज दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि बम ब्लास्ट करने की धमकी DPS आरके पुरम को सुबह 7.06 बजे और जीडी गोयनका पश्चिम विहार को सुबह 6.15 बजे जबकि कुछ स्कूलों को कल रात मिली।

समानता के आधार पर महिला सैन्य अधिकारी को स्थाई कमीशन देने का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महत्वपूर्ण फैसले में एक महिला सैन्य अधिकारी को स्थाई कमीशन देने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि 'तथ्यों से जाहिर है कि सक्षम प्राधिकार ने गलत तरीके से उस वक्त लेफ्टिनेंट कर्नल सुप्रीता चंदेल को स्थाई कमीशन देने के बारे में विचार नहीं किया, जब अन्य समान स्थिति वाले अधिकारियों के बारे में विचार किया गया था।

असम के कछार से 3 बांग्लादेशी नागरिक हुए गिरफ्तार

कछार। असम के कछार जिले से सोमवार को तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। तीनों को पेट्रोलिंग टीम ने कटिगोरा इलाके में कार से ट्रैवल करते हुए पकड़ा। ये सभी बांग्लादेश के हबीगंज के रहने वाले हैं। उनकी पहचान झुमा दास, करुणा रानी दास और रिमोन बैनर्जी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, सभी कटिगोरा सीमा के रास्ते भारत में दाखिल हुए थे। अवैध तरीके से भारत आने में इनकी मदद करने के लिए दो अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने तीनों से पूछताछ की और आगे की जांच के लिए सिलचर भेज दिया है।

सुप्रीम कोर्ट का मणिपुर सरकार को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मणिपुर सरकार से राज्य में मई 2023 से जारी जातीय हिंसा के दौरान आंशिक रूप से जलाई गई और अतिक्रमण की गई संपत्तियों की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने राज्य सरकार से उपद्रवियों के खिलाफ की गई कार्रवाई का विवरण भी देने को कहा है। CJI संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने याचिका पर 20 जनवरी से शुरू होने वाले हफ्ते में सुनवाई तय की है।

शिलॉन्ग जा रहे प्लेन से पक्षी टकराया, पटना में इमरजेंसी लैंडिंग

पटना। सोमवार को 2 फ्लाइट्स की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। पहला मामला दिल्ली से शिलॉन्ग जा रही फ्लाइट से जुड़ा है। जिसकी पटना एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। प्लेन की विंडशील्ड से पक्षी टकरा गया था। जिससे वह टूट गई। अधिकारियों के मुताबिक विमान के सभी 80 यात्री सुरक्षित हैं। इसके अलावा, कोच्चि जा रहे एक प्राइवेट कंपनी के प्लेन को भी सोमवार को चेन्नई में इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी।

संसद भवन परिसर में इंडिया गठबंधन के घटकदलों का प्रदर्शन

प्रधानमंत्री मोदी और अदाणी का मुखौटा पहन कर जताया विरोध

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद में अदाणी समूह सहित कई मुद्दों पर हंगामे के बीच इंडिया गठबंधन ने संसद भवन परिसर में सोमवार को अलग अंदाज में प्रदर्शन किया। संसद भवन के मकर द्वार के पास हुए इस प्रदर्शन में विपक्षी दलों के सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अदाणी के मुखौटे पहनकर प्रदर्शन किया। सपा और टीएमसी इस प्रदर्शन से दूर रहीं। कांग्रेस सांसद शिवाजी कलगे ने प्रधानमंत्री मोदी और मणिकम टैगोर ने उद्योगपति गौतम अदाणी का मुखौटा पहन रखा था। राहुल गांधी ने मुखौटा पहने दोनों कांग्रेस सांसदों का वीडियो बनाया और उनसे प्रतीकात्मक रूप से सवाल-जवाब भी किए। उन्होंने दोनों का वीडियो साझा करते हुए 'एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह एक पुराना और खास रिश्ता है।

समाजवादी पार्टी और टीएमसी इस प्रदर्शन से दूर रही

अदाणी के खिलाफ इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन से कुछ घटकदलों की दूरी और तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी के इंडिया गठबंधन के बारे में दिए बयान के बाद भाजपा का आरोप है कि इंडिया गठबंधन बिखर गया है। पर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष रामगोपाल यादव ने इन आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन में सब कुछ ठीक है और वह एकजुट है।

अदाणी सहित कई मुद्दों पर लोकसभा में हंगामा

कार्यवाही मंगलवार तक स्थगित, अदाणी मुद्दे पर संयुक्त संसदीय समिति के गठन की मांग पर अड़ा विपक्ष

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा में गतिरोध बरकरार है। अदाणी समूह सहित कई मुद्दों पर सोमवार को हंगामे की वजह से सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगन के बाद मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष अदाणी समूह की जांच की मांग करते हुए संयुक्त संसदीय समिति के गठन की मांग कर रहा है। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद कांग्रेस ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे पर तीखा हमला बोला। पार्टी ने कहा कि जब भी अदाणी समूह के भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया जाता है, तो अदाणी के एजेंट सदन में नेता प्रतिपक्ष और विपक्ष के बारे में अपमानजनक बात करते हैं। कांग्रेस नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर उनसे यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया था कि निशिकांत दुबे अपने शब्द वापस लें और माफी मांगें।

अदाणी समूह की जांच का मुद्दा उठाया

सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने अदाणी समूह की जांच का मुद्दा उठाया। हंगामा बढ़ता देख सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सुबह 12 बजे कार्यवाही शुरू होने पर पीठासीन अधिकारी ने सदन चलाने का प्रयास किया। संध्या राय ने विपक्षी सदस्यों से सदन की कार्यवाही चलने देने का कई बार आग्रह किया, ताकि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रेल संशोधन विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब दे सकें, पर हंगामा बढ़ता गया और सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा उपचुनाव

रेखा शर्मा, रयागा कृष्णैया और सुजीत कुमार भाजपा के उम्मीदवार

एजेंसी | नई दिल्ली

भाजपा ने 20 दिसंबर को होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए सोमवार को आंध्र प्रदेश से रयागा कृष्णैया, हरियाणा से रेखा शर्मा और ओडिशा से सुजीत कुमार को उम्मीदवार घोषित किया। इस चुनाव में लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 10 दिसंबर है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने बताया है कि केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में इन नामों को स्वीकृति प्रदान की गई है। निर्वाचन आयोग ने चार राज्यों में राज्यसभा की रिक्त छह सीटों के लिए उपचुनाव की घोषणा की है। इसके अनुसार आंध्र प्रदेश की तीन सीटें तब खाली हुई जब वाईएसआर कांग्रेस के सदस्य वेंकटरमण राव मोपीदेवी, बीड़ा मस्तान राव यादव और रयागा कृष्णैया ने अगस्त में उच्च सदन से इस्तीफा दे दिया था। ओडिशा की एक सीट तब खाली हुई जब सुजीत कुमार ने अपनी सीट छोड़ी। इसके बाद उन्हें बीजद से निष्कासित कर दिया गया। भाजपा के कृष्ण लाल पंवार ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में विधायक चुने जाने के बाद अपनी सीट छोड़ी। नाम घोषित होने के बाद सुजीत ने सोमवार को ही नामांकन दाखिल कर दिया।

AAP की दूसरी लिस्ट जारी 17 विधायकों के टिकट काटे

मनीष सिसोदिया पटपड़गंज की जगह जंगपुरा से लड़ेंगे

उनकी सीट अवध ओझा को दी गई

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (AAP) ने सोमवार को 20 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की। इसमें 17 मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए गए हैं। 3 प्रत्याशियों की सीट बदली गई है। पूर्व डिप्टी CM मनीष सिसोदिया जंगपुरा से चुनाव लड़ेंगे। पहले वे पटपड़गंज से चुनाव लड़ते थे। AAP ने UPSC टीचर अवध ओझा को पटपड़गंज से उतारा है। ओझा ने 2 दिसंबर को ही पार्टी जॉइन की थी। चर्चित चेहरे में AAP ने तिमारपुर से मौजूदा विधायक दिलीप पांडेय का टिकट काट दिया है। उनकी जगह दो दिन पहले भाजपा से AAP में शामिल हुए सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू को उम्मीदवार बनाया गया है। AAP की पहली लिस्ट 21 नवंबर को आई थी, जिसमें 11 उम्मीदवारों के नाम थे। इसमें भाजपा-कांग्रेस से आए 6 लोगों को टिकट दिया गया है।

अब तक 31 प्रत्याशी घोषित, 24 के टिकट कटे

AAP ने अब तक 31 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। 2020 चुनाव में 27 सीटों पर AAP जबकि 4 पर भाजपा के विधायक थे। AAP ने इस बार 27 विधायकों में से 24 के यानी 89% टिकट काट दिए हैं। AAP ने 3 विधायकों की सीट बदली है। वहीं, जिन चार सीटों पर पार्टी हारी थी, उनमें से दो पर पिछली बार हार चुके प्रत्याशी को ही दोबारा टिकट दिया है। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी 2025 को खत्म हो रहा है। पिछला चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था।

'डेढ़ लाख पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू'

विधानसभा के संयुक्त सत्र में बोले राज्यपाल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को विधानसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने 1.53 लाख पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है, इससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बनेंगे। राज्यपाल ने कहा कि अभी तक 78,309 पदों पर नियुक्तियां हो चुकी हैं। राज्यपाल ने बताया कि राज्य सरकार ने पंचायत कानून (PESA Act) के तहत 6,931 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की है, जो मानदेय के आधार पर होंगी। राज्य सरकार ने जर्मनी के राज्य बाडेन वर्टमबर्ग के साथ फरवरी 2024 में एक समझौता किया था, जिसके तहत 10 हजार प्रशिक्षित कर्मचारियों की सप्लाई की जाएगी। राज्य सरकार मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना के तहत 21 साल से लेकर 65 साल तक की महिलाओं को सशक्त कर रही है। राज्यपाल ने बताया कि राज्य की 2.34 करोड़ महिला लाभार्थियों को हर महीने 1500 रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है। इस योजना के तहत जुलाई से नवंबर तक पांच किस्तों का भुगतान हो चुका है। यह योजना आगे भी जारी रहेगी।

PM मोदी ने लॉन्च किया बीमा सखी योजना

10वीं पास महिलाओं को मिलेंगे 7000 महीने

एजेंसी | पानीपत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को हरियाणा के पानीपत से भारतीय जीवन बीमा निगम की बीमा सखी योजना को लॉन्च कर दिया। इस योजना का मकसद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। इस स्कीम को लॉन्च करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत महिला सशक्तिकरण की दिशा में लगातार कदम उठा रहा है। इस मौके पर पीएम मोदी ने प्रतीकात्मक तौर पर कुछ बीमा सखियों को नियुक्ति पत्र भी सौंपे। बीमा सखी योजना के तहत महिलाओं को एलआईसी एजेंट बनने की ट्रेनिंग दी जाएगी। इस दौरान हर महीने 5 से 7 हजार रुपये भी दिए जाएंगे। इसके अलावा कमीशन भी दी जाएगी।

कौन कर सकता है अप्लाई?

बीमा सखी योजना सिर्फ महिलाओं के लिए है। इसमें अप्लाई करने के लिए कम से कम 10वीं पास सर्टिफिकेट होना चाहिए। इसमें 18 से 70 साल के बीच की महिलाएं ही अप्लाई कर पाएंगी। बयान में आगे कहा गया कि इस योजना के तहत फाइनेंशियल लिटरेसी और बीमा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं को पहले 3 सालों के लिए स्पेशल ट्रेनिंग और वजीफा दिया जाएगा। ट्रेनिंग के बाद महिलाएं एलआईसी एजेंट के रूप में काम कर सकती हैं और ग्रेजुएट बीमा सखियों को एलआईसी में डेवलपमेंट ऑफिसर की भूमिका में काम करने का भी अवसर मिलेगा। इस योजना की शुरुआत में महिलाओं को हर महीने 7,000 रुपये दिए जाएंगे। तो वहीं दूसरे साल में यह राशि 6,000 रुपये कर दी जाएगी और तीसरे साल में 5 1000 रुपये हर महीने दिए जाएंगे। इस तरह महिलाएं पहले साल 84 हजार रुपये, दूसरे साल 72 हजार रुपये और तीसरे साल 60 हजार रुपये कमा सकती हैं।

मणिपुर के नौ जिलों से हटा इंटरनेट बैन

नवंबर में भड़की हिंसा के बाद लगाई गई थी पाबंदी

एजेंसी | इंफाल

मणिपुर सरकार ने सोमवार को राज्य के नौ जिलों में मोबाइल इंटरनेट जारी पाबंदी को हटा लिया। सरकार के गृह विभाग ने एक आदेश जारी कर राज्य के नौ जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं के अस्थायी निलंबन को वापस ले लिया। सरकार ने इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, जिरीबाम, चुराचांदपुर, कांगपोकपी और फेरजावल जिलों में कानून व्यवस्था की स्थिति और इंटरनेट सेवाओं के साथ इसके सह-संबंध की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया है।

ब्रॉडबैंड सेवाओं पर 19 नवंबर को ही हट गया था प्रतिबंध

वहीं सरकार ने स्वास्थ्य सुविधाओं, शैक्षणिक संस्थानों और विभिन्न कार्यालयों की दिक्कतों को देखते हुए ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाओं से 19 नवंबर को ही निलंबन हटा लिया था। हालांकि, वाईफाई या हॉटस्पॉट को साझा करने की अनुमति नहीं दी गई थी। ताजा आदेश में सरकार ने लोगों से ऐसी गतिविधियों से दूर रहने की अपील की है, जिनसे राज्य की कानून व्यवस्था के लिए खतरा पैदा हो। सरकार ने आदेश में साफ कहा है कि अगर कानून व्यवस्था के लिए खतरा पैदा होता है तो इंटरनेट प्रतिबंध को फिर से निलंबित किया जा सकता है। मणिपुर बीते साल मई से ही हिंसा से ग्रस्त है। इंफाल घाटी में रहने वाले मैतई समुदाय और आसपास के पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी-जो समूहों के बीच जारी जातीय हिंसा में अब तक 250 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हुए हैं।

नवंबर में भड़की हिंसा के बाद इंटरनेट बैन लगाने का किया गया था फैसला

आयुक्त (गृह) एन अशोक कुमार ने आदेश में कहा कि, 'राज्य सरकार ने मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति और इंटरनेट सेवाओं के सामान्य संचालन के साथ इसके सह-संबंध की समीक्षा करने के बाद, मणिपुर के इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, जिरीबाम, चुराचांदपुर, कांगपोकपी और फेरजावल में मोबाइल इंटरनेट और डेटा सेवाओं पर जारी सभी प्रकार के अस्थायी निलंबन को तत्काल प्रभाव से हटाने का फैसला किया है।' उल्लेखनीय है कि बीते नवंबर में तीन महिलाओं और तीन बच्चों के शव जीरी और बराक नदियों में मिलने के बाद राज्य में हिंसा भड़क गई थी, जिसके बाद सरकार ने कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए 16 नवंबर को नौ जिलों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी थीं। हालात को देखते हुए मोबाइल इंटरनेट प्रतिबंध को कई बार आगे बढ़ाया गया और अब सामान्य हालात के बाद इसे हटाने का फैसला किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट में किसान आंदोलन के कारण बंद शंभू बॉर्डर खोलने की याचिका खारिज

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शंभू बॉर्डर पर चल रहे किसानों के आंदोलन से जुड़ी याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि वह मामले पर पहले से ही सुनवाई कर रहा है। याचिका में हरियाणा-पंजाब शंभू बॉर्डर पर आंदोलन की वजह से बंद मार्ग को खोलने के निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया कि राजमार्ग को रोकना मौलिक अधिकारों का हनन, राष्ट्रीय राजमार्ग कानून और भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत अपराध है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह मामले पर दायर नई याचिका पर सुनवाई करने को तैयार नहीं है। बता दें कि शंभू बॉर्डर पर किसान पिछले 8 महीने से विरोध-प्रदर्शन जारी है। किसान सीमा पर ही डेरा जमाए हुए हैं। किसान संगठन न्यूनतम मूल्य समर्थन (MSP) को कानूनी रूप देने समेत लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा के मामले में किसानों को मुआवजा देने और किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग कर रहे हैं। शंभू बॉर्डर पर जमा किसान अब दिल्ली कूच कर रहे हैं। 100 किसानों का दल 6 दिसंबर को संसद जाने के लिए आगे बढ़ा था। हालांकि, उन्हें सीमा पर ही रोका जा रहा है। पुलिस ने पंजाब-हरियाणा शंभू सीमा पर किसानों को रोकने और तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े थे और धक्कामुक्की की थी। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शनकारी किसानों को दिल्ली जाने की अनुमति नहीं है।

हसीना के हटने के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच पहली उच्च स्तरीय वार्ता

एजेंसी | ढाका

बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से हटाए जाने के 3 महीने बाद भारत के विदेश सचिव उच्च स्तरीय वार्ता के लिए बांग्लादेश पहुंचे हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को अपने बांग्लादेशी समकक्ष मोहम्मद जशीम उद्दीन के साथ वार्ता की। मिस्री देश के विदेश मंत्री मोहम्मद तौहीद हुसैन से भी मुलाकात करेंगे। बताया जा रहा है कि विदेश सचिव बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस से भी शिष्टाचार भेंट कर सकते हैं।

किन मुद्दों पर होगी चर्चा?

विदेश सचिव अपने बांग्लादेश समकक्ष के साथ किन मुद्दों पर चर्चा करेंगे, इस विषय की जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, दोनों हाल की चिंताओं पर चर्चा कर सकते हैं। बता दें, बांग्लादेश में हिंदू विरोधी हमलों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे एक हिंदू नेता को गिरफ्तार किया गया है, जिसके बाद वहां काफी विरोध-प्रदर्शन हो रहा है।

मुर्शिदाबाद में बनेगी अयोध्या से बड़ी बाबरी मस्जिद

एजेंसी | कोलकाता

पश्चिम बंगाल में नई बाबरी मस्जिद बनने जा रही है। नींव 6 दिसंबर, 2025 को रखी जाएगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इसके लिए निमंत्रण पत्र दिया जाएगा। अयोध्या में जो बाबरी मस्जिद थी, उससे भी बड़ी मस्जिद बनाई जाएगी। यह घोषणा हमेशा विवादित बयानों से सुर्खियों में रहने वाले तृणमूल कांग्रेस के भरतपुर से विधायक हुमायूं कबीर ने की है। हुमायूं ने कहा, इसके लिए पैसे की कोई दिक्कत नहीं होगी, क्योंकि वे खुद इसके लिए एक करोड़ रुपए देंगे।

डिवाइडर से टकराने के बाद बेकाबू हुई कार

एजेंसी | जूनागढ़

वाहन को मारी टक्कर, पांच छात्रों समेत सात की मौत

गुजरात के जूनागढ़ में सोमवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। जेतपुर-सोमनाथ हाईवे पर डिवाइडर से टकराने के बाद कार एक अन्य वाहन से टकरा गई। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। गुजरात के जूनागढ़ में सोमवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। जेतपुर-सोमनाथ हाईवे पर डिवाइडर से टकराने के बाद कार बेकाबू हो गई और दूसरी कार से टकरा गई। इस हादसे में पांच छात्रों समेत सात लोगों की मौत हो गई। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस घटनास्थल पर मौजूद है। उप पुलिस अधीक्षक दिनेश कोडियातार ने कहा, ₹अज्ञात कारण से कार सड़क से उतर गई और तेज गति से डिवाइडर से टकरा गई।